कार्तिक शुक्ल पक्ष -6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 128 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
15 नवंबर 2026
रविवार

आज का मौसम
31.9 अधिकतम
12.2 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती पर शत शत नमन



जनजातीय गौरव दिवस



₹1353 करोड़ की डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण

मुख्य अतिथि

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

द्वारा संबोधन (वर्चुअल माध्यम से)

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

15 नवम्बर 2026

पुलिस ग्राउंड डही, जिला धार

अधिकार, अवसर और आत्मनिर्भरता से सशक्त होता जीवन

सामुदायिक उत्थान

- वन अधिकार अधिनियम में 2.89 लाख+ दावे मान्य
- 1.90 लाख+ किसानों को पीएम सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण से सहायता
- धरती आबा अभियान एवं पीएम जन मन में 5 लाख+ आवास तथा 2,221 कि.मी. सड़कें स्वीकृत
- पीएम जन मन में 29,700+ पीवीटीजी घरों में बिजली एवं 9.20 लाख+ घरों में पहुंचा नल से शुद्ध जल
- 1 हेक्टेयर तक के भूमिधारकों को 5HP तक के पंप पर नि:शुल्क बिजली

शिक्षा और अवसर

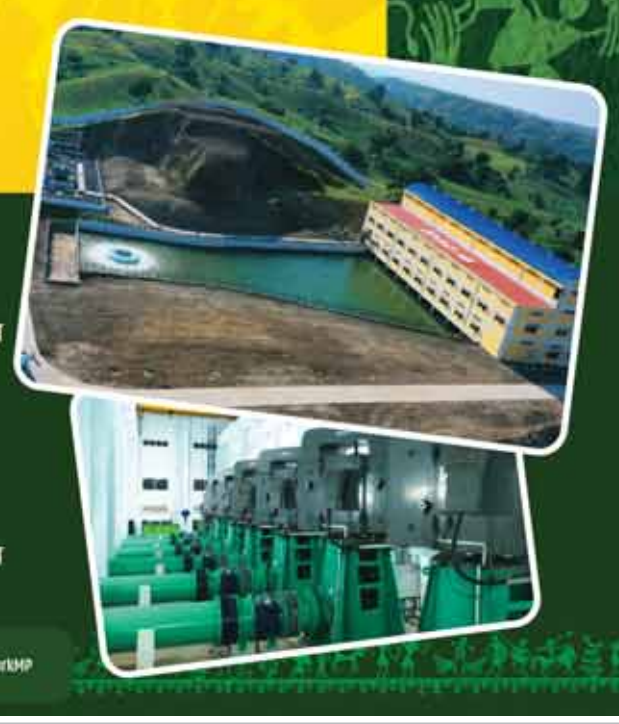
- 3 वर्षों में ₹1,820 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित
- आकांक्षा योजना में NEET, JEE, CLAT की कोचिंग
- 1,109 उच्च माध्यमिक, 804 उच्चतर माध्यमिक, 71 एकलव्य एवं 94 सांदीपनि विद्यालय संचालित
- 2,671 छात्रावासों में हर वर्ष 1.40 लाख विद्यार्थियों को आवास सुविधा
- विदेश में स्नातकोत्तर, पीएचडी व रिसर्च के लिए ₹90 लाख तक की छात्रवृत्ति

स्वास्थ्य और सुरक्षा

- 2.42 लाख+ बहनों को प्रतिमाह ₹1500 आहार अनुदान
- 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं 704 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित
- 1.33 करोड़ से अधिक लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग

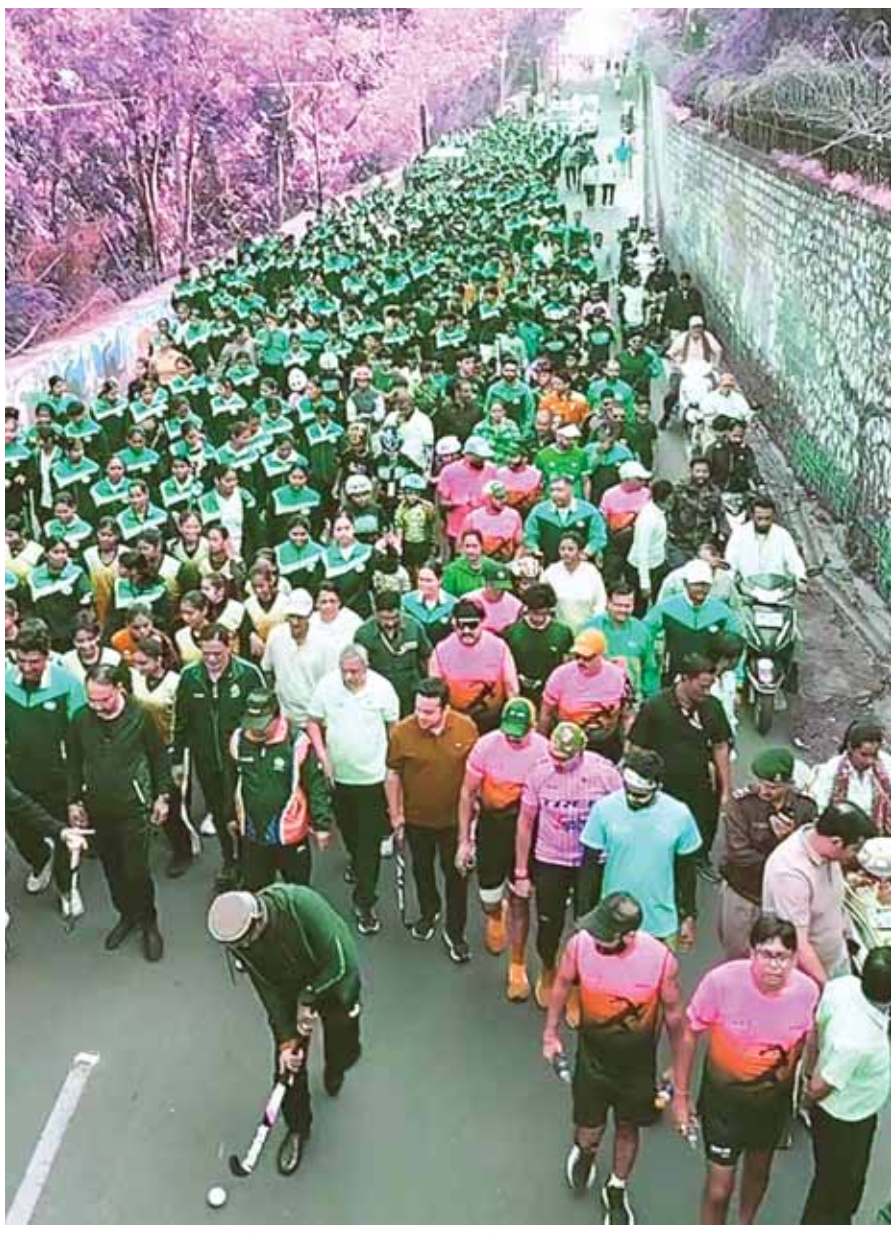
रोज़गार और आत्मनिर्भरता

- भगवान बिरसा मुंडा स्वरोज़गार योजना में ₹50 लाख एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में ₹1 लाख तक ऋण
- वनोपज से उद्यमिता के लिए 126 वन धन विकास केंद्र संचालित



सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP jansamparkMP

D-11166/26



नारी शक्ति के सम्मान में हॉकी वॉकथॉन...

भोपाल। राजधानी में 19 नवंबर से होने वाले एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियन्स ट्रॉफी के पहले आज 'हॉकी वॉकथॉन' का आयोजन किया गया। नारी शक्ति को समर्पित इस वॉकथॉन में बड़ी तादाद में लोग बोट क्लब पर एकजुट हुए। वॉकथॉन होटल लेक व्यू रंजीत से वन विहार तक निकला।

8 महीने में महज 2.52 लाख टन कचरा ही हटा सकी एजेंसी, अब भी 5 लाख टन बाकी

8 साल में भी छोटा नहीं हो सका आदमपुर खंती में कचरे का पहाड़

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भानपुर की खंती बंद हुई तो आस जगी कि आदमपुर खंती में वही कहानी दोबारा नहीं लिखी जाएगी। लेकिन आठ साल बाद भी तस्वीर इसके उलट ही है। आदमपुर में खड़ा करीब 7.50 लाख टन पुराने कचरे का पहाड़ अब नगर निगम के लिए सिर्फ डंपिंग साइट की समस्या नहीं, बल्कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल बन चुका है। इस पहाड़ को हटाने के लिए करीब 55 करोड़ रुपए का ठेका दिया गया, लेकिन आठ महीने में 2.52 लाख टन ही कचरा हट सका। यानी आधे से ज्यादा कचरा अभी भी वहीं है।

निगम ने 31 मार्च 2027 तक पुराने कचरे के निष्पादन का लक्ष्य रखा है। लेकिन अब तक की रफ्तार बताती है कि समय-सीमा हासिल करना आसान नहीं होगा। औसतन करीब 31 हजार टन प्रतिमाह कचरा हट रहा है। इसी गति से काम चलता रहा तो बचे हुए करीब 5 लाख टन कचरे को हटाने में एक साल से ज्यादा लग सकता है। यानी जिस पहाड़ को अगले साल तक खत्म करने का दावा है, वह अगले स्वच्छता सर्वेक्षण तक भी चुनौती बना रह सकता है।

निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने भी आदमपुर खंती का निरीक्षण कर ठोस अपशिष्ट और उसके निष्पादन के बाद निकलने वाले आरडीएफ के निपटान की स्थिति देखी। आरडीएफ का निपटान धीमा मिलने पर उन्होंने संबंधित एजेंसी सौराष्ट्र पर 3.20 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने लीगेसी कचरे और आरडीएफ दोनों का काम तेज करने के साथ हर दिन प्रगति की समीक्षा करने और एजेंसी को रोज रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने फरवरी 2027 के अंत तक निष्पादन पूरा करने की सीमा भी तय की। एजेंसी ने बताया कि काम में तेजी के लिए दो अतिरिक्त उन्नत मशीनें लगाई हैं। मल्टी डेक प्रोसेसिंग मशीन और रोटो स्क्रीन समेत अब कुल 5 मशीनों से कचरे का निष्पादन होगा, जिससे करीब 80 प्रतिशत बढ़ने और रफ्तार दोगुनी होने का दावा किया गया है।



कचरा निष्पादन कंपनी पर 3.20 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

मेसर्स सौराष्ट्र कंपनी को 55 करोड़ रुपए में कचरे के निष्पादन का काम दिया है। समयसीमा नजदीक है, लेकिन लक्ष्य में बड़ा अंतर है। शनिवार को निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने आदमपुर का निरीक्षण किया। काम की गति पर नाराज होते हुए एजेंसी पर 3.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाकर काम तेज करने के निर्देश दिए।

रैंकिंग गई, अब आदमपुर का नंबर : स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में भोपाल सूची में जगह नहीं बना सका। अगले सर्वेक्षण से पहले आदमपुर का पहाड़ हटाना बड़ी चुनौतियों में है। समय सीमा 31 मार्च 2027 है, लेकिन कचरे का पहाड़ बाकी है। अब सवाल यह है कि क्या निगम की रफ्तार अगले स्वच्छ सर्वेक्षण से पहले पहाड़ को खत्म कर पाएगी।

भानपुर से कलियासोत और आदमपुर तक वही पुरानी कहानी

2018 में भानपुर खंती बंद कर आदमपुर में कचरा डालना शुरू किया गया था। तब कहा था कि आदमपुर को भानपुर नहीं बनने दिया जाएगा। लेकिन 8 साल बाद आदमपुर में भी कचरे का पहाड़ खड़ा है। यानी शहर की कचरा व्यवस्था में समस्या सिर्फ जगह बदलने की नहीं है। निष्पादन तक पूरी व्यवस्था पर सवाल है। भानपुर का मामला भी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) तक पहुंचा। तब नगर निगम ने एनजीटी को बताया था कि भानपुर खंती में पुराने कचरे का बायो-रेमेडिएशन और वैज्ञानिक तरीके से क्लोजर पूरा हो चुका है। इस पर 52.38 करोड़ रुपए खर्च हुए और 21.03 एकड़ जमीन का पुनरुद्धार किया गया। ऐसी ही हालत सरंक्षित हरित क्षेत्रों और कलियासोत डैम के कैचमेंट की भी है। यहां नियमों के विरुद्ध कचरा फेंकने और जलाने का आरोप है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, इससे वायु प्रदूषण बढ़ रहा है और पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। भोपाल सहित प्रदेश के कई जिलों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बीच अब नगर निगम की परीक्षा

आदमपुर के कचरे का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश में पर्यावरण नियमों के उल्लंघन के लिए निगम पर 1.80 करोड़ रुपए पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया था। इसी मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की की जा रही है।

न्यूज विंडो

दहेज के लिए प्रताड़ित करने वाले पति को दो साल की सजा

भोपाल। राजधानी की एक अदालत ने लाखों रुपए का दहेज देने के बावजूद पांच लाख रुपए की मांग को लेकर कड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने दहेज के लिए नवविवाहिता के साथ मारपीट करने और आरोपी पति द्वारा ओरल सेक्स करने के मामले में पति सादिक कुरैशी, ससुर गनी मोहम्मद और सास अनीसा अख्तर को दोषी ठहराया है। अदालत ने सभी को दो साल के कठोर कारावास और सात हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। हालांकि अदालत ने नवविवाहिता के जेठ मोहम्मद सिकंदर अब्बासी, जेठानी बुशरा अब्बासी, ननद प्राची उर्फ रुखसार और नंदोई प्रवीण सराफ को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त करते हुए बरी कर दिया है।

जनसंवाद में थे गायब, चूनाभट्टी के टीआई धर्मेंद्र मौर्य सस्पेंड

भोपाल। चूनाभट्टी थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र मौर्य को निलंबित कर दिया है। पुलिस कमिश्नर के जनसंवाद कार्यक्रम में गैर मौजूदगी उनके निलंबन की वजह बनी। थाना क्षेत्र में पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनने और पुलिस व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जानी थी। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर की मौजूदगी के बावजूद थाना प्रभारी धर्मेंद्र मौर्य का नहीं पहुंचना अधिकारियों को नागवार गुजरा। इसे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों और महत्वपूर्ण कार्यक्रम के प्रति लापरवाही के रूप में देखा गया। इसके बाद डीसीपी जोन-4 आदर्शकांत शुक्ला ने थाना प्रभारी को निलंबित करने के आदेश जारी किए।



सिस्टम में खराबी, ऑनलाइन अटेंडेंस के लिए परेशान हो रहे शिक्षक

भोपाल। शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस में कल से भारी परेशानी हो रही है। राजधानी सहित पूरे प्रदेश के टीचरों को सिस्टम में तकनीकी खराबी ने मुसीबत में डाले रखा। शाम के वक्त जो लॉग आउट विकल्प होता है, उसने सहयोग नहीं किया। हालांकि लोक शिक्षण संचालक का कहना है कि इसके लिए ऑटो लॉगआउट की व्यवस्था की गई है। विभाग के नियम के अनुसार शिक्षकों को स्कूल पहुंचने और छुट्टी के समय ऑनलाइन अटेंडेंस लगाना जरूरी है। स्कूल पहुंचने पर लॉग इन और छुट्टी के समय लॉग आउट की व्यवस्था है। लेकिन कल शाम से ही लॉग आउट व्यवस्था फेल हो गई। शिक्षकों का कहना है कि सर्वर में खराबी थी, जिसके कारण वे लॉग आउट नहीं कर पाए।

एनएचएआई के ठेकेदार ने फोड़ दी पाइप लाइन, सप्लाई हो गई बंद

भोपाल। नई जेल के सामने एनएचएआई के ठेकेदार ने एक बार फिर पाइप लाइन फोड़ दी। इससे करोंद सहित अयोध्या बायपास इलाके में दो दिन से पानी सप्लाई नहीं हुई। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई। अब यही स्थिति आज भी है। हालांकि मरम्मत का काम चल रहा है। लेकिन अब तक काम पूरा नहीं हो सका है। इधर नगर निगम ने निर्माण एजेंसी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। दरअसल अयोध्या बायपास लेन निर्माण में एनएचएआई की निर्माण एजेंसी ने 13 नवंबर की रात्रि में नई जेल के सामने नयापुरा की टंकी को भरने वाली डीआई पाइप लाइन क्षतिग्रस्त कर दी। जिस कारण जोन 16 और 17 की उच्च स्तरीय टंकियां नहीं भरी गईं।

पानी की बोतल में छिपाकर ले रहा था 2.25 करोड़ की एमडी, इंजीनियर गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अंतरराज्यीय बस में सवार होकर करीब दो करोड़ 25 लाख रुपए कीमत की एमडी ड्रग्स ले जा रहे कर्नाटक के एक मैकेनिकल इंजीनियर को गोविंदपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस की नजरों से बचने के लिए करीब 970 ग्राम मेथामफेटामाइन (एमडी) को पानी की बोतल में छिपा रखा था।

पुलिस ने आईएसबीटी के पास दिल्ली से नागपुर जा रही यात्री बस की चेकिंग के दौरान संदेह के आधार पर पकड़ा। तलाशी में नशीला पदार्थ मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया। गोविंदपुरा पुलिस अंतरराज्यीय वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान आईएसबीटी के नजदीक दिल्ली से नागपुर जा रही बस को रोककर यात्रियों और उनके सामान की तलाशी ली गई। जांच के दौरान यात्री विशाख एएन निवासी कर्नाटक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस ने जब तलाशी ली तो पानी की बोतल में छिपाकर रखा गया करीब 970 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। इसकी कीमत 2 .25करोड़ रुपए गई है। विशाख पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर है।

इंदौर के भागीरथपुरा में इसी तरह के पानी को पीने से हुई थी 36 मौतें, फिर भी नहीं जाग रहे जिम्मेदार

वैशाली नगर में नगर निगम के सप्लाई वाटर में मिला ई-कोलाई बैक्टीरिया, बेबस लोग खरीद रहे बोतलबंद पानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के वैशालीनगर के पानी में खतरनाक ई-कोलाई बैक्टीरिया मिला है। यह वही बैक्टीरिया है, जिससे इंदौर के भागीरथपुरा में 36 लोगों की जान गई थी। नल के पानी की जांच में यह खतरनाक बैक्टीरिया मिला है। राजधानी में पहले भी ई-कोलाई बैक्टीरिया मिल चुका है। खासकर गैस फैक्ट्री के आसपास का पानी दूषित है। नगर निगम रोज पानी की सैंपलिंग करता है। बावजूद कई इलाकों में गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है। ईदगाह क्षेत्र के नियामतपुर में गंदा पानी सप्लाई हो रहा है।

रहवासी ने खुद जांच कराई

बताते हैं, वैशाली नगर में कई लोग गंदे पानी की सप्लाई से परेशान हैं। ऐसे में रहवासी विवेक राय ने खुद पानी की जांच कराई। 28 अक्टूबर को प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की स्टेट रिसर्च लेबोरेटरी की पहली रिपोर्ट में 100 मिली पानी में ई-कोलाई की मात्रा 660 एमपीएन मिली। पानी का ग्रोटेस्केल भी 5.9 एनटीयू मिला, जबकि इसकी अधिकतम सीमा 5 एनटीयू है।

इसके बाद 12 नवंबर को इसी लैब में दोबारा सैंपल दिया गया। 13 नवंबर को आई रिपोर्ट में 100 मिली पानी में ई-कोलाई की मात्रा 350 एमपीएन मिली, जबकि यह शून्य होनी चाहिए। रिपोर्ट सामने आने के बाद कॉलोनी के 200 परिवारों ने नल का पानी पीना बंद कर दिया है। अब वे बोतलबंद पानी खरीद रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब निगम पूरे शहर में रोजाना 100 से ज्यादा पानी के सैंपल लेने का दावा कर रहा है।



एक्सपर्ट बोले-रिपोर्ट गंभीर...

रिटायर्ड डिप्टी एनसीआरबी एमके त्रिपाठी ने सरकारी लैब की रिपोर्ट को गंभीर बताया। उनके मुताबिक, 28 अक्टूबर की रिपोर्ट के आधार पर रहवासियों ने निगम में शिकायत की। निगम ने 2-3 नवंबर के आसपास के तीन घरों से सैंपल लिए। अधिकारियों के मुताबिक, रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। हालांकि, दो दिन बाद पानी पहले जैसा हो गया।

लीकेज से पानी हो रहा गंदा

रहवासियों का कहना है, पेयजल लाइन के पास से सीवेज लाइन गुजरती है। पीछे स्थित वायु नगर के चेंबर ओवरफ्लो होने पर लीकेज से सीवेज के पेयजल लाइन में मिलने की आशंका है। इसी नेटवर्क से 9 जोन के 7 लाख लोगों को 1.35 लाख कनेक्शनों से रोज 34 एमएलडी पानी मिलता है। 2022 में ऐसी ही शिकायतें मिली थीं।

बैरागढ़ पुलिस ने दर्ज किया मामला, खंगाल रही आरोपियों के बैंक खाते

बीमा कंपनी का अफसर बनकर पति की मौत के बाद क्लेम दिलाने के नाम पर 7.72 लाख रुपए की ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पति की मौत के बाद बीमा क्लेम की रकम दिलाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने एक महिला से 7.72 लाख रुपए ठग लिए। जालसाजों ने महिला को बताया कि उसके पति की बीमा पॉलिसी पर 55 लाख रुपए का क्लेम बन रहा है। रकम खाते में जमा कराने के लिए टैक्स और अन्य शुल्क के नाम पर किस्तों में रुपये जमा कराए। हैरानी यह है कि जब महिला को ठगी का अहसास हुआ तो दूसरे जालसाज ने बीमा कंपनी का अधिकारी बनकर संपर्क किया और पहले ठगे गए रुपए वापस दिलाने के नाम पर फिर 3.07 लाख रुपए ऐंठ लिए। बेटी ने मां की फोन-पे हिस्ट्री चेक की तो पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। साइबर शिकायत के आधार पर बैरागढ़ पुलिस ने दो ई-जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। बैरागढ़ के कैलाश नगर की 21 वर्षीय अंशिका वर्मा के पिता विनोद वर्मा की अगस्त 2022 में बीमारी से मौत हो गई थी। इसके बाद परिवार को पीएनबी मेटलाइफ से 72 हजार रुपए का बीमा क्लेम मिला था।

चार साल बाद आया कंपनी का फोन

बैरागढ़ पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। अंशिका का कहना है कि पिता की अगस्त 2022 में बीमारी से मौत के बाद परिवार को पीएनबी मेटलाइफ से 72 हजार रुपए का बीमा क्लेम मिला था। एक साल बाद 21 जून 2026 को मां बीना वर्मा के पास फोन आया। कॉलर ने खुद को बीमा कंपनी की मुंबई शाखा का अधिकारी बताते हुए 55 लाख का क्लेम मिलने की बात कही। इसके लिए टैक्स और प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर जून से नवंबर 2024 के बीच खातों में 4.65 लाख ट्रांसफर करा लिए। जुलाई 2026 मेंफिर 3.07 लाख रुपए जमा करा लिए।

रातीबड़ में हो रही शिफ्टिंग

पहले चरण में 40 आरा मशीनें शिफ्ट, अब बाकी 68 होंगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मेट्रो ट्रेन की लाइन में आड़े आ रहीं करीब 40 आरा मशीनों की शिफ्टिंग लगभग पूरी हो चुकी है। बाकी 68 और आरा मशीनों को शिफ्ट जाना है। अब प्रशासन दूसरे चरण में बाकी मशीनों को शिफ्ट करने का काम करेगा। इसके लिए प्रशासन ने अभी से तैयारी कर ली है। दरअसल प्रशासन को सालों से संचालित 108 आरा मशीनों को परवलिया सड़क स्थित छोटा रातीबड़ में शिफ्ट करना है। इससे एक जगह सभी आरा मशीनें हो जाएंगी, जिससे पुल पात्रा, बरखेड़ी, भारत टॉकीज के आसपास ट्रैफिक जाम लगने की समस्या दूर हो जाएगी। वहीं मेट्रो ट्रेन की लाइन का काम भी तेज गति पकड़ सकेगा। एसडीएम लाखन सिंह चौधरी के अनुसार पहले उन आरा मशीनों को छोटा रातीबड़ में शिफ्ट किया गया है, जिससे मेट्रो लाइन काम नहीं हो पा रहा था। दूसरे चरण में बाकी सभी आरा मशीनों को शिफ्ट करने का काम किया जाएगा।

मेट्रो एंकर हर घर में खुशियां, घाटों पर जुटेंगे 2 लाख श्रद्धालु

छठ महापर्व...52 घाटों पर गूंज रहे छठी मैय्या के गीत, आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर राजधानी में उत्साह चरम पर है। आज शहर के 52 घाटों और विभिन्न पूजा स्थलों पर छठव्रती अस्ताचलगामी सूर्यदेव को पहला अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख तालाबों, घाटों और अस्थायी पूजा कुंडों पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। घाटों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। अनुमान है कि आज शाम से देर रात तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु विभिन्न पूजा स्थलों पर पहुंचेंगे। कल खरना करने के बाद व्रती 36 घंटे के निर्जला व्रत का संकल्प लेकर रविवार को अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी में जुट गए। आज शाम व्रती जल में खड़े होकर सूप और बांस की टोकरी में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना सहित पूजन सामग्री सजाकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करेंगे।



दो दिन आस्था का दरबार पूनम शर्मा देंगी प्रस्तुति

प्रेमपुरा घाट पर भोजपुरी समाज की ओर से 15 और 16 नवंबर को छठ पूजा का विशेष आयोजन किया जा रहा है। आज दोपहर तीन बजे से पूजा की तैयारियों और धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा। कल तड़के 3 बजे से उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालु घाट पर पहुंचेंगे। इस अवसर पर यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसमें वाराणसी की भोजपुरी पारंपरिक छठ भजन गायिका पूनम शर्मा साथियों के साथ छठी मैया के गीतों और भजनों की प्रस्तुति देंगी।

पब्लिक टॉयलेट में स्वच्छता के निर्देश

गंदगी पर हर प्रभारी एचओ को 10-10 स्पॉट फाइन का टारगेट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम के सभी 21 जोन के प्रभारी एचओ को अपने-अपने इलाकों में रोजाना 10-10 स्पॉट फाइन के प्रकरण बनाने होंगे। वहीं शहर के पब्लिक टॉयलेट के खिलाफ भी निगम जुर्माना लगाएगा। गंदगी मिलने पर यह कार्रवाई होगी। निगम कमिश्नर आरपी अहिरवार ने इस संबंध में अफसरों को निर्देश दिए। कमिश्नर ने चार इमली, लिंक रोड नं. 1, बोर्ड आफिस, ज्योति टॉकीज, चेतक ब्रिज, अन्ना नगर, गांधी चौराहा, पिपलानी चौराहा, आनंद नगर आदि इलाकों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं रात की सफाई न होने से नाराज कमिश्नर ने इसमें सुधार लाने को कहा। निगम कमिश्नर अहिरवार ने शहर के अलग-अलग इलाकों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सभी 21 जोन के प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने इलाकों में 10-10 स्पॉट फाइन के प्रकरण बनाए। ज्योति टॉकीज के पास पब्लिक टॉयलेट में गंदगी मिलने पर पब्लिक टॉयलेट पर ही जुर्माना लगाने को कहा। वहीं पब्लिक टॉयलेट के सामने अवैध रूप से बने शेड को हटाने, सौन्दर्यीकरण के लिए गमले व सुंदर बेंचे लगवाने के निर्देश दिए।

कार्तिक शुक्ल पक्ष -6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 128 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
15 नवंबर 2026 रविवार

आज का मौसम
32.4 अधिकतम
15.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

बिरसा मुंडा की जयंती पर राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह

मोदी बोले-हमने लाल आतंक खत्म किया आदिवासियों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा

- 3 हजार करोड़ की योजनाएं शुरू
- मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले - हम आदिवासी नायकों का सम्मान कर रहे

नई दिल्ली/ धार , एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम आज थार के डही और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने तीन हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही मिजोरम में ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजियम का उद्घाटन भी किया गया।



प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बस्तर का जिक्र करते हुए कहा कि पहले लोग वहां जाने से डरते थे, लेकिन कुछ दिन पहले उन्होंने सुरक्षा बलों के साथ इसी इलाके में दीपावली मनाई। उन्होंने कहा कि आज देश का नेतृत्व आदिवासी समाज की एक बेटी के हाथ में है। मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा से प्रेरणा लेकर देश को विकसित बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने जनजातीय गौरव दिवस को पूरे देश के गर्व और स्वाभिमान का प्रतीक बताया।



आदिवासी अंचलों पर हमारा विशेष ध्यान

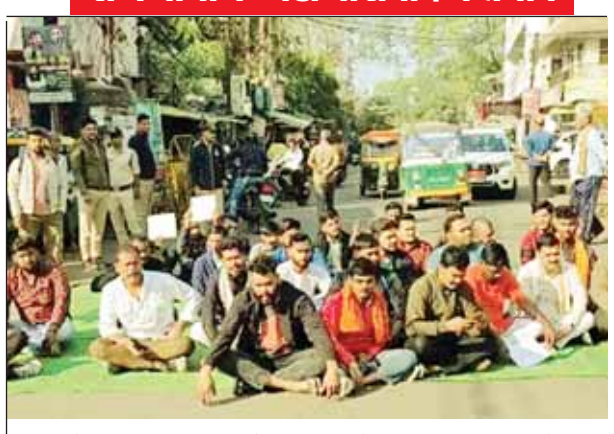
समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के आदिवासी अंचलों पर विशेष ध्यान दिया है। इसी कड़ी में आज एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा वाली डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया गया है। जिससे धार और अलीराजपुर जिलों के 126 गांवों के किसानों और कृषि भूमि को नर्मदा जल से सिंचाई का लाभ मिलेगा। आदिवासी अंचल में खेती का रकबा बढ़ेगा.और कृषि गतिविधियों का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने धार जिले में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत पात्र पट्टाधारियों के भूखंड और मकानों की रजिस्ट्री भी कराई। सीएम ने कहा कि प्रदेश की सरकार जनजातीय नायकों के नाम विकास की कई योजनाएं शुरू कर रही हैं। टंट्या मामा के नाम पर यूनिवर्सिटी बनाई गई है।

आज दो उपलब्धियों की चर्चा हो रही

मोदी ने कहा कि देश इस समय दो बड़ी उपलब्धियों की चर्चा कर रहा है। पहली, पिछले 12 वर्षों में करीब 50 करोड़ लोगों का भीषण गरीबी से बाहर आना और दूसरी, नक्सलवाद व माओवादी आतंक से मुक्ति की दिशा में हुई प्रगति। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट रखा। गरीबों के लिए 4 करोड़ से अधिक घर बनाए गए, 18 हजार गांवों तक पहली बार बिजली पहुंचाई गई और 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। इसके अलावा, मुद्रा योजना के तहत बिना गारंटी के कर्ज देकर लोगों के लिए रोजगार और कमाई के अवसर बढ़ाए गए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और कई वीरों-वीरांगनाओं ने बलिदान दिया। भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और उनका 'उलगुलान' आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है। पहले कई उत्सव विदेशी दृष्टिकोण से तय होते थे, लेकिन अब भारत अपने त्योहारों और नायकों को स्वदेशी स्वाभिमान के साथ याद कर रहा है। इससे पहले पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान आदिवासी कलाकारों ने डांस की प्रस्तुति दी। पीएम ने कलाकारों के साथ खरताल भी बजाई।

राजधानी के जहांगीराबाद में तनाव



गोवंश काटे जाने का आरोप बजरंग दल-विहिप का प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के जहांगीराबाद इलाके में गोवंश काटे जाने के आरोप को लेकर आज तनाव की स्थिति बन गई। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता शब्बन चौराहे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग की है।

कार्यकर्ताओं ने अजहर अली, इमरान, आदिल और मुज्बील नाम के लोगों पर गोवंश काटने में शामिल होने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने अभी इन आरोपों की पुष्टि नहीं की है। तीन लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किए जाने का दावा भी किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच बजरंग दल के कार्यकर्ता जहांगीराबाद के संबंधित इलाके में पहुंचे थे। उनका दावा है कि मौके पर पांच गाय जीवित मिलीं, जबकि तीन गायों के अवशेष पड़े थे। गोवंश काटे जाने की सूचना पर कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। इसी दौरान विवाद और कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप भी सामने आया। कार्यकर्ताओं ने अपनी गाड़ी में तोड़फोड़ किए जाने की शिकायत भी पुलिस से की है।

गोवंश के अवशेषों की जांच कराने की मांग

घटना के विरोध में कार्यकर्ता जहांगीराबाद थाने पहुंचे और धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने गोवंश के अवशेषों की जांच कराने, आरोपियों की भूमिका स्पष्ट करने और कथित हमले व वाहन में तोड़फोड़ के मामले में कार्रवाई की मांग की। अब पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मौके पर मिले अवशेष किसके हैं, गोवंश काटने की घटना में किन लोगों की भूमिका थी और कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोप कितने सही हैं।

न्यूज विंडो

शराब घोटाला... पूर्व सीएम भूपेश के बेटे से जुड़ी 61 करोड़ की संपत्ति जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कथित 3,000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल से जुड़ी कुम्हारी-जंजगीरी स्थित विट्ठल ग्रीन कॉलोनी के 355 प्लॉटों को अपने कब्जे में ले लिया है। ईडी ने इस कार्रवाई में करीब 61 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की। ईडी ने कॉलोनी के मुख्य गेट पर कार्रवाई से संबंधित नोटिस भी चस्पा किया है। जांच एजेंसी के अनुसार कथित शराब घोटाले से अर्जित अवैध रकम का इस्तेमाल विट्ठल ग्रीन कॉलोनी सहित अन्य अचल संपत्तियां खरीदने में किया गया था।



आईपीएल फाउंडर ललित मोदी को मिली ब्रिटिश नागरिकता

लंदन, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी अब भारतीय नहीं ब्रिटिश नागरिक हैं। उन्होंने पोस्ट करके बताया कि 15 सितंबर 2026 को उन्हें ब्रिटिश नागरिकता मिल गई थी। उनकी भारतीय नागरिकता 2 साल पहले ही खत्म हो गई थी। मार्च 2025 में उन्होंने पैसिफिक आइलैंड देश वानुअतु की नागरिकता ली थी। बाद में वहां के पीएम ने उनका पासपोर्ट कैंसिल करवा दिया था। पीएम ने कहा था कि ललित प्रत्यर्पण से बचने नागरिकता ले रहे हैं। ललित 2010 में लंदन चले गए थे, जब उन पर IPL में वित्तीय अनियमितता, मनी लॉन्ड्रिंग, बिड-रिगिंग जैसे आरोप लगे थे। तब से वे वहीं हैं।



आज का कार्टून



बुलेटप्रूफ ग्लास में दिखे थे एक्टर

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग... 2 शार्पशूटर गिरफ्तार





अमृतसर, एजेंसी

अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने पहले भी ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।

पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था।

धमाके की धमकियों के बीच इंदौर में आज दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट

इंदौर। यहां पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ का लाइव कॉन्सर्ट आज बायपास स्थित सी-21 एस्टेट ग्राउंड पर होगा। दिलजीत रात 8 बजे मंच पर पहुंचेंगे। करीब 4 लाख वर्गफीट में फैले आयोजन स्थल पर 40 हजार दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। कॉन्सर्ट से पहले टिकटों की री-सेल शुरू हो गई है। ऑनलाइन 7,499 रुपए प्लस टैक्स में मिलने वाला गोल्ड टिकट सोशल मीडिया और वॉट्सऐप ग्रुप्स पर कम कीमत में ऑफर किया जा रहा है। वहीं, आयोजकों को मिली आरडीएक्स विस्फोट की धमकियों के बीच पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।



कुमामोटो मास्टर्स... लक्ष्य सेन खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने



कुमामोटो, एजेंसी। लक्ष्य सेन कुमामोटो मास्टर्स एकल वर्ग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। आज खेले गए फाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने कोकी वतनबे को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेन ने 1 घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में स्थानीय और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे वतनबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

टाइटल जीतने के साथ लक्ष्य 2023 में शुरू हुए कुमामोटो मास्टर्स टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले, वह टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय शटलर बने थे। इस महीने की शुरुआत में जर्मनी में हाइलो ओपन जीतने के बाद यह लक्ष्य का लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 क्राउन था। यह उनके करियर में पहली बार है जब उन्होंने एक ही सीजन में दो बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। कुल मिलाकर, यह उनका छठा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था।

भारत का टॉप आर्डर फिर फेल न्यूजीलैंड को 210 का टारगेट



माउंट माउंगानुई, एजेंसी। टीम इंडिया ने 5वें वनडे मैच में न्यूजीलैंड को 210 रन का टारगेट दिया है। टीम 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गई। भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही। उसने 34 रनों के स्कोर तक विकेट गंवा दिए. रोहित शर्मा 7, विराट कोहली 5 और ऋतुराज गायकवाड़ 18 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की पारियां खेलीं। आखिरी में अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज ने टीम का स्कोर 200 पार पहुंचाया। अर्शदीप 4 गेंद में 14 रन बनाए। जबकि सिराज एक चौके और एक छक्के के सहारे 14 रन बनाकर नाबाद लौटे।

हजारों फ्लाइट्स में घंटों की देरी

अमेरिका में हवाई यात्रा पर संकट बरकरार... 500 से अधिक उड़ानें आज भी रहीं रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का एयरलाइन संकट अभी भी थमा नहीं है। आज तक इसके जारी रहने की आशंका है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के एयर ट्रैफिक कंट्रोल कम्युनिकेशन सिस्टम में आई खराबी के कारण देश भर में कामकाज ठप हो गया था, जिससे निपटने और सामान्य सेवाएं बहाल करने की कोशिशों के बीच एयरलाइंस को हजारों फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं या उड़ानों में देरी हुई है।

विमानन ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के अनुसार, शनिवार शाम 6:45 बजतक, पूरे अमेरिका में एयरलाइंस ने 6,150 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं और 7,300 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई थी। यह व्यवधान शुक्रवार के बाद आया,



जब लगभग 9,200 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं और 7,500 अन्य उड़ानों में देरी हुई थी। वहीं आज के लिए तय 530 से अधिक उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं।

मेट्रो एंकर

'माइकल फेल्प्स' के नाम से मशहूर गजराज, संघर्ष की आशंका के चलते पकड़ा

तैराकी में माहिर हाथी ने उड़ाई नींद, सौ लोगों की टीम ने किया काबू

शहडोल / जबलपुर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के जंगलों में एक ऐसा हाथी वन विभाग के लिए पहेली बना हुआ था, जो अपनी मर्जी का मालिक था। उसे जहां छोड़ा जाता, कुछ दिनों बाद वह वहां से गायब हो जाता। इतना ही नहीं, रास्ते में सोन नदी या बाणसागर जलाशय आ जाए तो भी उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था। करीब नौ किलोमीटर चौड़ी जलधारा को वह आठ से दस घंटे तक लगातार तैरकर पार कर जाता था। इस अद्भूत क्षमता के कारण स्थानीय लोगों और वनकर्मियों के बीच यह बांधवगढ़ का 'माइकल फेल्प्स' और 'बंजारा हाथी' के नाम से मशहूर है। आखिरकार 100 से ज्यादा वनकर्मियों की टीम ने चार प्रशिक्षित हाथियों और तीन वन्यजीव चिकित्सकों की मदद से उसे सुरक्षित पकड़ने में कामयाबी हासिल की। यह पूरा अभियान करीब 30 घंटे चला।

करीब 20 साल के इस नर हाथी की पहचान रेडियो कॉलर-4 के रूप में है। शहडोल वन मंडल के केशवाही वन परिक्षेत्र में जनहानि, मवेशियों की मौत और फसलों को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद चर्चा में आया। 22 मई 2026 को वन विभाग ने उसका रेस्क्यू किया और निगरानी के लिए रेडियो कॉलर लगाया। अगले दिन उसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली परिक्षेत्र की बगदरा बीट में छोड़ दिया गया। इसके बाद उसका विचरण क्षेत्र लगातार बदलता रहा। खितौली, धमोखर, कल्लवाह, मगधी, उमरिया और शहडोल के जंगलों में उसकी आवाजाही दर्ज की गई। 23 मई से 14 सितंबर के बीच वह रोजाना औसतन 9.8 किलोमीटर की दूरी तय कर रहा था।

इस हाथी की सबसे हैरान करने वाली आदत सोन नदी को तैरकर पार करना थी। 7 सितंबर को वह बांधवगढ़ के पनपथा बफर क्षेत्र से तैरकर मैहर वन मंडल के अमरपाटन क्षेत्र पहुंचा। इस दौरान करीब आठ से दस घंटे तक पानी में रहा। खास बात यह रही कि लंबी तैराकी के बीच वह नदी के एक टापू पर रुका और कुछ देर आराम करने के बाद फिर आगे बढ़ गया। करीब 20 दिन मैहर क्षेत्र में रहने के बाद 28-29 सितंबर की रात उसने फिर नदी पार की। इस बार करीब नौ किलोमीटर की दूरी आठ से नौ घंटे में तैरकर तय की और बांधवगढ़ लौट आया। करीब एक महीने बाद उसने फिर बाणसागर जलाशय पार किया और अमरपाटन पहुंच गया।



चार हाथियों ने संभाला मोर्चा

आसपास गांवों, खेतों और मवेशियों की मौजूदगी के कारण मानव-हाथी संघर्ष की आशंका के चलते वन विभाग ने उसे सुरक्षित तरीके से पकड़कर निगरानी में रखने का फैसला किया। रेस्क्यू के लिए बांधवगढ़ के गौतम, सूर्या और श्याम तथा संजय टाइगर रिजर्व के बापू नाम के प्रशिक्षित हाथी को लाया गया। करीब सौ लोगों की टीम अभियान में जुटी। विशेषज्ञों ने ट्रैंक्विलाइजर गन से बेहोशी का इंजेक्शन देकर काबू किया। पिंजरे में रातभर सफर करते हुए उसे गोरसरी, अमरपाटन, मैहर, कटनी और उमरिया बायपास के रास्ते बांधवगढ़ के कल्लवाह परिक्षेत्र पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक हाथी की स्थिति सामान्य और स्थिर है। फिलहाल उसे अस्थायी सुरक्षित निगरानी क्षेत्र में रखा गया है।



संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 15 नवंबर 2026

पेरेंटिंग

बच्चों को सिर्फ तकनीक नहीं, खतरे पहचानने की समझ भी दें

बचपन की उंगली में मोबाइल... सुरक्षा का जिम्मा माता-पिता का

आठ साल का बच्चा मोबाइल पर वीडियो देखता है, ऑनलाइन गेम खेलता है और धीरे-धीरे इंटरनेट की दुनिया से परिचित हो रहा है। शुरुआत में यह सब मनोरंजन लगता है, लेकिन इसी रास्ते से वह ऐसी दुनिया में पहुंच सकता है, जहां हर जानकारी सही नहीं होती और हर व्यक्ति भरोसेमंद नहीं होता। फ्री गेम, इनाम का लालच, अनजान लोगों के संदेश, निजी जानकारी मांगने वाले लिंक और उम्र के लिहाज से अनुचित सामग्री बच्चों के सामने कभी भी आ सकती है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि बच्चे को मोबाइल कितनी देर देना चाहिए, बल्कि यह भी है कि उसे डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहना कैसे सिखाया जाए।

आज बच्चों को तकनीक से पूरी तरह दूर रखना व्यावहारिक नहीं है। पढ़ाई, मनोरंजन और संवाद के लिए डिजिटल माध्यम उनकी जिंदगी का हिस्सा बनते जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि जिस तरह सड़क पार करने, अजनबियों से सावधान रहने और घर का पता किसी को न बताने की सीख दी जाती है, उसी तरह इंटरनेट इस्तेमाल करने के नियम भी बचपन से समझाए जाएं। डिजिटल सुरक्षा की शिक्षा किसी एक उम्र में शुरू होने वाली औपचारिक पढ़ाई नहीं, बल्कि बच्चे की समझ के साथ आगे बढ़ने वाली प्रक्रिया है।

इस उम्र में तीन नियम विशेष रूप से याद कराएं। अपना पूरा नाम, घर का पता, स्कूल का नाम, फोन नंबर, पासवर्ड या निजी फोटो किसी अनजान व्यक्ति को नहीं भेजनी है। कोई अनजान व्यक्ति दोस्ती करके निजी जानकारी मांगे तो जवाब नहीं देना है। स्क्रीन पर कुछ ऐसा दिखाई दे जिससे डर, शर्म या असहजता महसूस हो तो उसे तुरंत माता-पिता को बताना है। बच्चे को यह भरोसा भी दें कि ऐसी कोई बात बताने पर उसे डांटा नहीं जाएगा।

मोबाइल देने से पहले तय करें ये नियम

बच्चे को मोबाइल या टैबलेट देने से पहले घर में कुछ स्पष्ट नियम बनाना जरूरी है। कौन-से एप इस्तेमाल किए जा सकते हैं, कितनी देर वीडियो देख सकते हैं और किन परिस्थितियों में इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करना है, यह पहले ही तय कर लें। खाने की मेज, पढ़ाई के समय और सोने से पहले मोबाइल से दूरी रखने की आदत बनाएं। डिवाइस बच्चे के कमरे में पूरी रात न रहने दें। माता-पिता बच्चे के साथ बैठकर वीडियो और गेम देखें। केवल यह न देखें कि बच्चा क्या देख रहा है, बल्कि यह भी समझें कि उसे वह सामग्री क्यों पसंद आ रही है। अनजान गेम, चैट और वीडियो प्लेटफॉर्म पर बिना जानकारी के अकाउंट न बनने दें। किसी एप को डाउनलोड करने से पहले उसकी उम्र संबंधी शर्तें और गोपनीयता संबंधी नियम देख लें।





तकनीक से ही लीजिए सुरक्षा की मदद

डिजिटल दुनिया के जोखिम कम करने के लिए कुछ उपयोगी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। गूगल का सेफ सर्च अनुचित सामग्री वाले सर्च परिणामों को फिल्टर करने में मदद करता है। यूट्यूब किड्स में उम्र के अनुसार सामग्री चुनने, वीडियो ब्लॉक करने और खोज की सुविधा सीमित करने के विकल्प हैं। एंड्रॉयड फोन में गूगल फैमिली लिंक और एप्पल उपकरणों में स्क्रीन टाइम के माध्यम से एप इस्तेमाल की सीमा, स्क्रीन टाइम और डाउनलोड संबंधी नियंत्रण तय किए जा सकते हैं। हालांकि इन सुविधाओं को पूरी सुरक्षा की गारंटी नहीं समझना चाहिए। फिल्टर कभी-कभी अनुचित सामग्री को रोकने में चूक सकते हैं। इसलिए तकनीकी नियंत्रण के साथ माता-पिता की सक्रिय निगरानी और बच्चे से नियमित बातचीत भी जरूरी है।

गलती हो तो डांटने के बजाय संभालें

बच्चे से कभी गलती हो सकती है। वह किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक कर सकता है या अनजान व्यक्ति को जानकारी दे सकता है। ऐसी स्थिति में पहले शांत रहकर पूरी बात समझें। संबंधित अकाउंट और डिवाइस की सुरक्षा जांचें, जरूरत के अनुसार पासवर्ड बदलें, संदिग्ध व्यक्ति को ब्लॉक करें और प्लेटफॉर्म पर शिकायत दर्ज करें। यदि निजी फोटो के दुरुपयोग, धमकी या ब्लैकमेल की आशंका हो तो संदेशों और अन्य डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखें। बच्चे को दोषी न ठहराएं। गंभीर मामले में पुलिस या साइबर अपराध विभाग की सहायता लें। भारत में साइबर अपराध की शिकायत cybercrime.gov.in पर की जा सकती है।

बच्चों को डिजिटल नागरिक भी बनाएं

बच्चों को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं कि इंटरनेट पर क्या नहीं करना चाहिए। उन्हें यह भी सिखाना जरूरी है कि ऑनलाइन किसी के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। किसी का मजाक उड़ाना, गलत तस्वीर साझा करना, बिना अनुमति फोटो पोस्ट करना या अपमानजनक संदेश भेजना भी गलत है। डिजिटल दुनिया में भी वही शिष्टाचार और संवेदनशीलता जरूरी है, जो वास्तविक जीवन में अपनाई जाती है। अंततः तकनीक बच्चों के लिए अवसरों का बड़ा संसार है, लेकिन बिना समझ के यही संसार जोखिम भी बन सकता है। मोबाइल छीन लेना इसका स्थायी समाधान नहीं है और न ही बच्चे को पूरी छूट देना समझदारी है। सही रास्ता है उम्र के अनुसार आजादी, स्पष्ट सीमाएं, नियमित बातचीत और भरोसे का रिश्ता। बच्चे को ऐसा आत्मविश्वास दीजिए कि इंटरनेट पर कोई भी परेशानी आए तो सबसे पहले वह माता-पिता के पास पहुंचे। यही डिजिटल सुरक्षा की सबसे बड़ी सीख है।

इन पांच खतरों को पहचानना सिखाएं

1. **मुफ्त इनाम का लालच:** कोई गेम या वेबसाइट मुफ्त उपहार, अतिरिक्त अंक या इनाम देने के नाम पर लिंक भेजे तो क्लिक न करें।
2. **अनजान दोस्ती:** ऑनलाइन गेम या सोशल मीडिया पर मिलने वाला व्यक्ति अपनी असली पहचान छिपा सकता है। उससे निजी बातचीत या मुलाकात की योजना न बनाएं।
3. **निजी जानकारी की चोरी:** पासवर्ड, ओटीपी, घर का पता, स्कूल की जानकारी और फोटो साझा करना खतरनाक हो सकता है।
4. **गलत सामग्री:** कोई वीडियो, तस्वीर या संदेश असहज करे तो उसे बंद करके माता-पिता को बताएं। उसे आगे किसी को भेजें भी नहीं।
5. **ऑनलाइन दबाव और धमकी:** कोई व्यक्ति डराए, निजी फोटो मांगे या ब्लैकमेल करे तो उसकी बात न मानें। तुरंत भरोसेमंद बड़े को बताएं।

जीवन - ज्योति

रिश्तों में प्रेम रखिए, मोह और अहंकार को जगह मत दीजिए

सिस्टर बीके शिवानी
मोटिवेशनल स्पीकर



रिश्ते जीवन की सबसे खूबसूरत पूंजी हैं, लेकिन कई बार यही रिश्ते मन की अशांति का कारण बन जाते हैं। इसकी वजह रिश्ते नहीं, बल्कि उनसे जुड़ी अपेक्षाएं, अधिकार जताने की भावना और अहंकार होता है। आध्यात्मिक दृष्टि से प्रेम और मोह के बीच का अंतर समझना बहुत जरूरी है। प्रेम किसी को खुशी देता है, जबकि मोह अक्सर किसी को अपनी इच्छा के अनुसार चलाने की कोशिश करता है। जहां प्रेम होता है, वहां स्वतंत्रता होती है और जहां मोह होता है, वहां बंधन बनने लगते हैं।

बहन शिवानी के विचारों में रिश्तों की सबसे बड़ी सीख यही है कि दूसरों को बदलने की कोशिश करने से पहले अपने विचारों और व्यवहार को बदलना जरूरी है। अक्सर परिवारों में छोटी-छोटी बातें बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। किसी ने अपेक्षा के अनुरूप बात नहीं की, किसी ने सम्मान नहीं दिया या किसी ने निर्णय लेते समय राय नहीं पूछी, तो मन में नाराजगी पैदा हो जाती है। धीरे-धीरे यही नाराजगी दूरी और कड़वाहट में बदल जाती है। सवाल यह है कि क्या दूसरों के व्यवहार के कारण अपनी मानसिक शांति खो देना उचित है?



रिश्तों में सबसे बड़ी बाधा अहंकार है। अहंकार हमेशा बड़े रूप में सामने नहीं आता। कई बार यह छोटी-छोटी बातों में दिखाई देता है। जैसे पहले बात कौन करेगा, गलती स्वीकार कौन करेगा, माफी कौन मांगेगा या किसकी बात मानी जाएगी। इन सवालों में उलझकर लोग उन रिश्तों को भी कमजोर कर देते हैं, जिन्हें बनाने में वर्षों लगते हैं। अहंकार कहता है कि झुकना कमजोरी है, जबकि आध्यात्मिक समझ बताती है कि सही समय पर झुक जाना रिश्ते को बचाने की ताकत है। मोह को प्रेम समझ लेना भी एक बड़ी भूल है। किसी से प्रेम करने का अर्थ यह नहीं कि उस पर अधिकार जमाया जाए। बच्चों से प्रेम है तो उन्हें अपनी इच्छाओं के अनुसार जीवन जीने के लिए बाध्य करना जरूरी नहीं। जीवनसाथी से प्रेम है तो हर निर्णय पर नियंत्रण रखना प्रेम नहीं कहलाता। माता-पिता, संतान, भाई-बहन और मित्र, सभी के अपने विचार और व्यक्तित्व होते हैं। प्रेम का अर्थ है उन्हें स्वीकार करना, उनकी भावनाओं का सम्मान करना और उनकी स्वतंत्रता को समझना। रिश्तों में शांति बनाए रखने के लिए एक और बात जरूरी है, वह है अपेक्षाओं पर नियंत्रण। जब खुशी दूसरों के व्यवहार पर निर्भर हो जाती है, तब मन लगातार शिकायतों से घिरा रहता है। किसी ने फोन नहीं किया, किसी ने हाल नहीं पूछा, किसी ने प्रशंसा नहीं की। ऐसी अपेक्षाएं धीरे-धीरे मन को दुखी करती हैं। इसके बजाय अपने व्यवहार को अच्छा रखने और बिना किसी शर्त के सकारात्मकता देने का अभ्यास करना चाहिए।

क्षमा भी रिश्तों को बचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। किसी की गलती को बार-बार याद करना सबसे पहले अपने मन को अशांत करता है। क्षमा करने का अर्थ गलत व्यवहार को सही मान लेना नहीं, बल्कि उस घटना की कड़वाहट को अपने भीतर स्थायी जगह न देना है। जरूरत पड़ने पर दूरी बनाना भी उचित है, लेकिन मन में नफरत पालना स्वयं को बोझ देना है।

जीवन में रिश्तों की सुंदरता इस बात से तय नहीं होती कि सामने वाला कितना बदल गया, बल्कि इस बात से होती है कि अपने भीतर कितनी सकारात्मकता विकसित हुई। जब विचारों में सम्मान, व्यवहार में विनम्रता और मन में प्रेम होता है, तब रिश्ते सहज बनते हैं। सच्चा प्रेम बांधता नहीं, मुक्त करता है। इसलिए रिश्तों को अधिकार से नहीं, विश्वास से संभालिए।

नॉलेज स्टोरी

आठ साल का इंदौर राज खत्म, नवी मुंबई ने कैसे मार ली बाजी ?

देश के सबसे स्वच्छ शहरों की पहचान बदल गई है। लगातार आठ साल तक स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर वन रहने वाले मध्य प्रदेश के इंदौर को इस बार महाराष्ट्र के नवी मुंबई ने पीछे छोड़ दिया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नवी मुंबई ने देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया। गुजरात का सूरत दूसरे और आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर रहा। 11 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेता शहरों को सम्मानित किया। इस बार सर्वेक्षण में 4,751 शहरी स्थानीय निकायों ने हिस्सा लिया।



इंदौर की उपलब्धि कम नहीं हुई है। उसे इस बार सामान्य शहरों की रैंकिंग से अलग मेंटर सिटी श्रेणी में रखा गया। यानी अब मुकाबले की कहानी के साथ एक नया सवाल भी जुड़ गया है कि नवी मुंबई ने ऐसा क्या किया, जिससे वह देश के स्वच्छता मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया? नवी मुंबई की सफलता का आधार केवल सड़कों की सफाई नहीं, बल्कि कचरे के प्रबंधन की पूरी व्यवस्था है। नगर निगम ने कचरा उठाने से लेकर उसके निपटारे तक निगरानी और जवाबदेही का तंत्र तैयार किया है। घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में जमा करने पर जोर दिया गया है। इससे गीले और सूखे कचरे का उचित प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण आसान होता है। कचरे को खुले में फेंकने या उसका अवैज्ञानिक निपटारा करने की समस्या कम करने पर भी ध्यान दिया गया है। शहर में कचरा उठाने वाली गाड़ियों की निगरानी के लिए जीपीएस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। नगर निगम के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से गाड़ियों की लोकेशन और उनके कामकाज पर नजर रखी जाती है। इससे यह पता लगाना आसान होता है कि कचरा संग्रहण वाहन निर्धारित मार्ग पर पहुंचा या नहीं। सफाई व्यवस्था में लापरवाही की गुंजाइश कम होती है और अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ती है।

शिकायत से समाधान तक डिजिटल व्यवस्था

नवी मुंबई में नागरिकों को सफाई संबंधी समस्याओं के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत कम करने की कोशिश की गई है। स्वच्छता ऐप और सिटीजन ग्रीवेंस पोर्टल के जरिए लोग कचरा, गंदगी और सफाई से जुड़ी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। उनकी शिकायत पर हुई कार्रवाई की स्थिति भी देखी जा सकती है। इस व्यवस्था से प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद बनता है। स्वच्छता को केवल नगर निगम की जिम्मेदारी मानने के बजाय स्कूलों, कॉलेजों, युवाओं और आवासीय सोसायटियों को भी इससे जोड़ा गया। सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, फुटपाथों और स्काईवॉक की नियमित सफाई पर जोर दिया गया। नागरिकों को कचरा अलग-अलग रखने और आसपास सफाई बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

दिया कबीरा रोय

अंकित पांडे युवा व्यंग्यकार

रायचंदों की राय से परेशान है पूरा संसार...

दुनिया में कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें सांस लेने के लिए ऑक्सीजन और जीने के लिए दूसरों को राय देना जरूरी होता है। इन्हें आप रायचंद कह सकते हैं। इनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि आप इनसे राय मांगें या न मांगें, इनकी राय आपके पास पहुंचकर ही दम लेती है। इन्हें देखकर लगता है कि दुनिया की तमाम समस्याएं इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि लोगों ने इनकी सलाह लेना बंद कर दिया है।

रायचंदों की कोई निश्चित उम्र, पद या योग्यता नहीं होती। ये हर मोहल्ले, हर बस्ती, हर दफ्तर और हर परिवार में मिल जाएंगे। इनकी विशेषज्ञता का दायरा इतना विशाल होता है कि सुबह दूधवाले को बताते हैं कि दूध में पानी कितना मिलाना चाहिए, दोपहर में पड़ोसी को मकान बनाने का तरीका समझाते हैं और शाम को देश की अर्थव्यवस्था सुधारने बैठ जाते हैं। इनके पास हर बीमारी का घरेलू इलाज, हर विवाद का समाधान और हर असफलता का कारण मौजूद होता है।

मोहल्ले में किसी ने नई कार खरीद ली तो रायचंद हाजिर। कार का रंग गलत, मॉडल गलत, कंपनी गलत और खरीदने का समय भी गलत। बेचारे कार मालिक को अपनी पसंद पर पछतावा होने लगता है। किसी ने घर में रंगाई कराई तो रंग पर सवाल। बच्चे का स्कूल बदला तो शिक्षा व्यवस्था का पूरा व्याख्यान। शादी में कौन-सा कपड़ा पहनना है, कहां निवेश करना है, किससे दोस्ती रखनी है, इन सबका फैसला रायचंद पहले ही कर चुके होते हैं।



दफ्तरों में इनकी अलग ही प्रजाति मिलती है। खुद का काम भले ही तीन दिन से अधूरा पड़ा हो, लेकिन दूसरे विभाग के काम में इनकी विशेषज्ञता देखने लायक होती है। बॉस ने कोई योजना बनाई नहीं कि रायचंद उसकी कमियां गिनाने लगते हैं। मीटिंग में इनका मुंह सबसे पहले खुलता है और आखिरी में बंद होता है। इन्हें लगता है कि इनके बिना दफ्तर की फाइलें रास्ता भूल जाएंगी और कंपनी घाटे में चली जाएगी।

इनकी एक खास आदत यह भी होती है कि राय देने के बाद जवाबदेही से पूरी तरह मुक्त हो जाते हैं। सलाह मानकर काम बिगड़ जाए तो कहेंगे, हमने तो पहले ही कहा था कि अपनी समझ से करना। और काम बन जाए तो श्रेय लेने सबसे पहले पहुंच जाएंगे। यानी सफलता में इनका आशीर्वाद और असफलता में आपकी नासमझी। रायचंदों को समझाना भी आसान नहीं। आप कह दें कि अभी सलाह नहीं चाहिए तो वे इसे अपनी सलाह देने की स्वतंत्रता पर हमला मान लेते हैं। चुप रहने को कहें तो समझेंगे कि सामने वाला उनकी प्रतिभा से जल रहा है। इनके लिए हर बातचीत एक अवसर है और हर व्यक्ति एक संभावित श्रोता।

काश, रायचंदों के लिए भी कोई ऐसा प्रशिक्षण शिविर खुले, जहां उन्हें बोलने से पहले सुनना और सलाह देने से पहले पूछना सिखाया जाए। तब शायद समाज में एक नई क्रांति आएगी। लोग अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेने लगेंगे और रायचंद भी पहली बार अपनी राय अपने पास रखने की कला सीख पाएंगे। हालांकि इसकी उम्मीद करना भी शायद एक तरह की बिन मांगी राय ही है!

अजब - गजब

80 फीसदी घरों पर ताले, 10 मिनट के मुसाफिरों से जिंदा है गांव

पाली (राजस्थान)। गांव का नाम आते ही चौपाल, चहल-पहल, बच्चों की किलकारियां और बाजारों की रौनक याद आती है, लेकिन राजस्थान के पाली जिले का सोमेसर गांव इस तस्वीर से बिल्कुल उलट है। यहां करीब 80 फीसदी घरों के दरवाजों पर ताले लटके हैं। 10 में से आठ दुकानें भी बंद रहती हैं। गांव में कभी आबाद रहने वाले घर अब अपने मालिकों की राह देखते हैं। दिलचस्प यह है कि जिस गांव की बड़ी आबादी रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों में जा बसी, उसकी बची-खुची आर्थिक गतिविधियां रेलवे स्टेशन पर कुछ मिनट रुकने वाले मुसाफिरों के भरोसे चल रही हैं।



सोमेसर की इस वीरानी के पीछे कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि वर्षों से चला आ रहा पानी और रोजगार का संकट है। यहां खेती के लिए पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था नहीं है और पीने के लिए मीठे पानी की उपलब्धता भी बड़ी समस्या है। खेती से आमदनी कम हुई तो लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। आसपास बड़े उद्योग और रोजगार के दूसरे साधन भी नहीं हैं। आखिरकार गांव के करीब 80 फीसदी लोग मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और केरल जैसे शहरों की ओर पलायन कर गए।

मारवाड़ युवा समिति के अध्यक्ष हुकमसिंह भाटी के मुताबिक, देश के कई महानगरों में सफल कारोबार करने वाले बड़े मारवाड़ी व्यापारी भी इसी मिट्टी से जुड़े हैं। उनकी आर्थिक सफलता का रिश्ता भले महानगरों से बन गया हो, लेकिन गांव में उनके पैतृक घर आज भी मौजूद हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि उन घरों में अब नियमित जीवन नहीं, बल्कि ताले दिखाई देते हैं।

सोमेसर की सबसे अनोखी बात इसका रेलवे स्टेशन है। आसपास के करीब 120 गांवों के लिए यह महत्वपूर्ण रेल संपर्क केंद्र है। मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई जाने वाली कई ट्रेनें यहां से गुजरती हैं और रुकती भी हैं। यात्री ट्रेन आने से पहले स्टेशन पर 10 से 15 मिनट बिताते हैं। इसी दौरान चाय, नाश्ता और छोटी-मोटी खरीदारी से स्थानीय दुकानदारों को कुछ कमाई हो जाती है।

त्योहारों पर ही लौटती है रौनक

गांव के बंद घरों के ताले पूरे साल नहीं खुलते। दीपावली, शादी-ब्याह और पारिवारिक आयोजनों के समय बाहर बसे लोग कुछ दिनों के लिए लौटते हैं। तब गलियों में थोड़ी चहल-पहल दिखाई देती है। उत्सव खत्म होते ही लोग फिर अपने काम-धंधे के लिए शहरों की ओर रवाना हो जाते हैं। चिकित्सा और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की कमी ने भी गांव में स्थायी रूप से बसने की मुश्किल बढ़ाई है। स्थानीय युवाओं और जागरूक लोगों की कोशिश है कि गांव में सुविधाएं और रोजगार के अवसर बढ़ें, ताकि पलायन रुके और बंद घर फिर आबाद हों।

मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाने की योजनाओं पर काम शुरू

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाईयां स्थापित होंगी

एक इकाई पर 42.00 लाख रूपये तक लोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध राजधानी बनाने के लिए राज्य सरकार ने पशुपालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर पशुपालकों और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश वर्तमान में 22.6 मिलियन टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। यहां प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 700 ग्राम दूध उपलब्ध है, जबकि राष्ट्रीय औसत 485 ग्राम है। सरकार का लक्ष्य पशुधन की संख्या और उन्नत नस्लों को बढ़ाकर दुग्ध उत्पादन में प्रदेश को देश में पहले स्थान पर पहुंचाना है।



प्रदेश में गौवंश और भैंसवंश की संख्या बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना संचालित की जा रही है। यह योजना प्रदेश के सभी जिलों में लागू है। इसके तहत पशुपालक अधिकतम 25 दुधारू पशुओं की एक इकाई स्थापित कर सकते हैं। एक इकाई में सभी पशु गाय अथवा सभी भैंस होने चाहिए और उनकी नस्ल भी एक समान होना जरूरी है। एक इकाई की अधिकतम परियोजना लागत 42 लाख रुपए निर्धारित की गई है।

एक हितग्राही ले सकेगा 200 पशुओं की आठ इकाइयां

योजना की खास बात यह है कि एक हितग्राही एक या एक से अधिक इकाइयां स्थापित कर सकता है। अधिकतम आठ इकाइयों के माध्यम से 200 दुधारू पशु रखने की पात्रता दी गई है। पशुपालक अपनी जरूरत के अनुसार देशी उन्नत गाय, संकर गाय अथवा भैंस की इकाई चुन सकता है। उदाहरण के तौर पर तीन इकाइयां लेने वाला हितग्राही एक इकाई भैंस, दूसरी संकर गाय और तीसरी उन्नत देशी गाय की स्थापित कर सकता है। यदि हितग्राही पहली इकाई का ऋण चुका देता है तो वह दोबारा भी योजना का लाभ ले सकता है। हालांकि, दो ऋणों के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर होना जरूरी है।

अनुसूचित जाति-जनजाति को 33 प्रतिशत अनुदान

योजना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। अन्य वर्गों के पशुपालकों के लिए यह अनुदान 25 प्रतिशत निर्धारित है। अनुदान की राशि तीन वर्ष की अवधि पूरी होने पर एकमुश्त दी जाएगी। इस अनुदान पर हितग्राही को कोई ब्याज नहीं देना होगा। पशुपालक निर्धारित अवधि से पहले भी अपने ऋण का भुगतान कर सकते हैं।

भवन अनुज्ञा की फाइलों की होगी जांच

भोपाल में बिल्डिंग परमीशन का खेल; निगमायुक्त ने तलब की फाइल, जांच के आदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भवन अनुज्ञा शाखा में अधिकारों के बंटवारे को दरकिनार कर फाइल स्वीकृत करने के मामले में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जांच कराने की बात कही है। जोन-2 के परी बाजार में निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के ईडब्ल्यूएस आवासों को मुक्त करने की अनुमति उपायुक्त स्तर से दिए जाने का मामला मीडिया के सामने आने के बाद अब आयुक्त ने इस पर संज्ञान लेते हुए संबंधित फाइल की जांच कराने की बात कही है। साथ ही भवन अनुज्ञा शाखा की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि इस शाखा से संबंधित प्रत्येक फाइल निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपर आयुक्त के पास ही पहुंचे।

नियमों की अनदेखी-

निगम मुख्यालय अटल भवन में भवन अनुज्ञा शाखा की बैठक के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण होते दिखे तो उसे तत्काल रुकवाया जाए। निर्माण पूरा होने के बाद नोटिस जारी कर कंपाउंडिंग या तोड़फोड़ की कार्रवाई करने का इंतजार नहीं किया जाए। आयुक्त ने कहा कि देखने में आ रहा है कि भवन मालिक स्वीकृत नक्शे से अधिक निर्माण कर लेते हैं, लेकिन संबंधित क्षेत्र के इंजीनियर निर्माण के दौरान इसे रोकने की कार्रवाई नहीं करते।

बाद में नोटिस जारी कर कंपाउंडिंग और तोड़फोड़ जैसी कार्रवाई की जाती है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नोटिस जारी करना महज औपचारिकता या भवन मालिकों को डराने का माध्यम नहीं होना चाहिए। नोटिस जारी करने के बाद कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। किसी भी मामले में नोटिस जारी कर कार्रवाई की जा रही है तो उसकी फाइल अपर आयुक्त तक पहुंचनी चाहिए।



यह है मामला

दरअसल, 30 अक्टूबर को प्रशासनिक फेरबदल के तहत भवन अनुज्ञा शाखा का प्रभार अपर आयुक्त अभिषेक सराफ को सौंपा गया था। इसके बावजूद परी बाजार के प्रोजेक्ट में ईडब्ल्यूएस आवासों को मुक्त करने के बदले 3.38 करोड़ रुपये आश्रय शुल्क जमा कराने की अनुमति उपायुक्त भुवन गुप्ता ने जारी कर दी। क्षेत्रीय इंजीनियर के स्थल निरीक्षण और रिपोर्ट के बाद फाइल नगर निवेशक नंदकिशोर डेहरिया के पास पहुंची। आरोप है कि उन्होंने फाइल प्रभारी अपर आयुक्त वरुण अवस्थी के बजाय सीधे उपायुक्त भुवन गुप्ता को भेज दी, जहां से अनुमति जारी कर दी गई।

एसटीआर का अद्भुत रोमांच



भालू से आमना-सामना होने पर दुम दबाकर निकली बाघिन

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने सभी को हैरान कर दिया। मढ़ई पर्यटन जोन के घास के मैदान में अचानक बाघिन और भालू आमने-सामने आ गए। जंगल में दोनों वन्यजीवों की अप्रत्याशित मुलाकात ने कुछ ही सेकंड में रोमांच और कौतूहल का माहौल पैदा कर दिया। खास बात यह रही कि इस बार भालू को देखकर बाघिन ने ही ऐसी छलांग लगाई कि पर्यटक भी हैरान रह गए।

जानकारी के मुताबिक, पर्यटक जिप्सियों में बैठकर जंगल सफारी का आनंद ले रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक भालू पर पड़ी, जो घास के मैदान में अपनी गतिविधियों में व्यस्त था। पर्यटक दूर से उसकी हरकतों को देख ही रहे थे कि पास की लंबी घास में आराम कर रही बाघिन अचानक सामने आ गई। बाघिन ने जैसे ही खुद को भालू के बेहद करीब पाया, वह एक पल के लिए हड़बड़ा गई। इसके बाद उसने अचानक छलांग लगाई और वहां से तेजी से दूर भाग निकली। दूसरी तरफ भालू भी इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से चौंक गया और दो कदम पीछे हटकर ठिठक गया। बाघिन और भालू का यह आमना-सामना कुछ ही सेकंड तक चला, लेकिन सफारी में मौजूद पर्यटकों के लिए यह किसी रोमांचक फिल्म के दृश्य से कम नहीं था।

जनजातीय समाज के विकास को मिलेगी रफ्तार

बालाघाट में 85 करोड़ से बनेंगे सांदीपनि विद्यालय, प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में स्वदेश, स्वधर्म, स्वाभिमान और सामाजिक अनुशासन का ऐसा संदेश दिया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष कर जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति, पहचान और अधिकारों के लिए जागरूक एवं संगठित होने की सीख दी। उनके बलिदान और संघर्ष को देश सदैव याद रखेगा। जबलपुर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव सप्ताह को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के जनजातीय नायकों के बलिदान और विरासत को सम्मान देने का काम शुरू किया है। जनजातीय वीरों ने प्राचीन संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ अन्याय और शोषण के खिलाफ महत्वपूर्ण संघर्ष किया। रानी दुर्गावती, राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह, टंट्या मामा, राजा भभूत सिंह, भीमा नायक और ख्वाजा नायक जैसे वीरों का योगदान देश के इतिहास में अमिट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के युवाओं को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर जबलपुर को 133 करोड़ रुपए की लागत से छात्रावास और विद्यालय की सौगात दी गई है। इसके अलावा छिंदवाड़ा, डिंडोरी और बालाघाट में 85 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक सुविधाओं वाले सांदीपनि विद्यालय स्थापित किए जाएंगे।



जनजातीय नायकों के नाम पर संस्थान और योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनजातीय महापुरुषों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उनके नाम पर संस्थान और योजनाएं शुरू कर रही है। जबलपुर में राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह के नाम पर मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय खोला गया है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का नाम राजा भभूत सिंह के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि इन महानायकों का जीवन राष्ट्रभक्ति, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से चिह्नित जनजातीय क्षेत्रों का समग्र विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों के लोगों को भी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा का लाभ दिया जाएगा। महाकौशल क्षेत्र के जबलपुर, बालाघाट सहित अन्य जिलों में मां नर्मदा के जल से सिंचाई का रकबा बढ़ाया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोपालन और पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न योजना शुरू की गई है।

499 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उल्लेख

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में 98 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्य किए जा रहे हैं। वहीं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से 401.56 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है।

जनजातीय प्रतिभाओं को किया सम्मानित

समारोह में मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली जनजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इनमें जल संरक्षण के लिए उजियारो बाई, कला प्रदर्शनी के लिए पूर्णिमा पुसरे, दसवीं की परीक्षा में प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त करने वाली पूजा धुर्वे, अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट जमना उइके, पैरों से लिखने वाली दिव्यांग द्रोपदी धुर्वे, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने वाले शोधार्थी रामकिशोर सिरसाम, वॉलीबॉल में स्वर्ण पदक विजेता हिमांशु परते और गोंडवाना लोक साहित्य के साहित्यकार डॉ. टीआर बरकड़े शामिल रहे।

बीनाची एस्टेट के हस्तांतरण की तैयारी

केरलम में 550 एकड़ जमीन के लिए मप्र ने मांगे 280 करोड़ रु.

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने केरलम में स्थित अपनी 550 एकड़ की बीनाची एस्टेट के हस्तांतरण के लिए केरलम सरकार से 280 करोड़ रुपये की मांग की है। इस प्रस्ताव के साथ ही दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चला आ रहा संपत्ति विवाद सुलझने की दिशा में आगे बढ़ा है।

मध्य प्रदेश सरकार ने इस साल 17 मार्च को उचित मुआवजा मिलने की शर्त पर वायनाड स्थित इस एस्टेट को केरलम सरकार को सौंपने का निर्णय लिया था। इसके बाद एक निजी एजेंसी के माध्यम से संपत्ति का विस्तृत मूल्यांकन कराया गया। मूल्यांकन के आधार पर एस्टेट की कीमत 280 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

बातचीत से समाधान की कोशिश- केरलम सरकार ने मध्य प्रदेश के प्रस्ताव की समीक्षा करने और हस्तांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को नियुक्त किया है। मध्य प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह इस अधिकारी के लगातार संपर्क में है। सरकार को उम्मीद है कि जल्द ही इस मामले का समाधान निकल आएगा।

हालांकि, पूरी प्रक्रिया में मुआवजे की राशि पर दोनों राज्यों के बीच सहमति बनना सबसे महत्वपूर्ण है। मध्य प्रदेश सरकार का कहना है कि आपसी सहमति से तय राशि मिलने के बाद ही एस्टेट का हस्तांतरण किया जाएगा। यदि दोनों पक्ष किसी सर्वसम्मत समझौते पर नहीं पहुंचते हैं, तो मामला मध्यस्थता (आर्बिट्रेशन) के लिए भेजा जाएगा।



प्रोविडेंट इन्वेस्टमेंट कंपनी के पास है स्वामित्व

बीनाची एस्टेट का स्वामित्व मध्य प्रदेश सरकार के उपक्रम प्रोविडेंट इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड (पीआईसीएल) के पास है। यह कंपनी राज्य सरकार के वित्त विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करती है। इसका मुख्यालय मुंबई में है। ऐतिहासिक रूप से पूर्ववर्ती सेंट्रल प्रोविंसेस एंड बरार, ग्वालियर और मध्य प्रदेश की प्रशासनिक विरासत से जुड़ी यह कंपनी राज्य की सीमा से बाहर स्थित विभिन्न सरकारी संपत्तियों का प्रबंधन और देखरेख करती है।

संपत्ति में बसे हैं करीब 160 परिवार

वायनाड स्थित बीनाची एस्टेट में कॉफी के बड़े बागान हैं। इस संपत्ति के करीब 65 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 160 परिवार रहते हैं। केरलम सरकार की प्राथमिकता इन परिवारों को जमीन का मालिकाना हक दिलाना है। इससे पहले केरलम सरकार ने संकेत दिया था कि वह इस जमीन का अधिग्रहण कर यहां रह रहे किसानों को मालिकाना हक के दस्तावेज (टाइटल डीड) देना चाहती है।

इंदौर पुलिस ने शुरू की अनूठी पहल

यातायात नियम तोड़ने वालों की अब खैर नहीं, जनता की नजर से नहीं बचेंगे चालक

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और अनुशासित बनाने के लिए अब पुलिस के साथ आम नागरिक भी यातायात नियम तोड़ने वालों पर नजर रखेंगे। इंदौर पुलिस ने नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 'इंदौर यातायात साथी' मोबाइल अनुप्रयोग में नई सुविधा शुरू की है। इसके माध्यम से कोई भी नागरिक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक की तस्वीर या चलचित्र सीधे यातायात पुलिस तक पहुंचा सकेगा। सूचना की जांच और पुष्टि होने के बाद संबंधित वाहन चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में 14 नवंबर को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान इस सुविधा की शुरुआत की गई। पुलिस आयुक्त ने स्वयं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले एक वाहन चालक की तस्वीर मोबाइल अनुप्रयोग के माध्यम से भेजकर इसका शुभारंभ किया। नई व्यवस्था के तहत नागरिक सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन होते देखने पर उसकी तस्वीर या चलचित्र बनाकर 'इंदौर यातायात साथी' अनुप्रयोग के 'जन-सूचना' विकल्प पर भेज सकेंगे। इसके अलावा यातायात हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर भी जानकारी दी जा सकेगी।

यातायात पुलिस प्राप्त तस्वीरों और चलचित्रों की जांच करेगी। उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित वाहन चालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। लोगों की सक्रिय भागीदारी से ही शहर में यातायात अनुशासन स्थापित किया जा सकता है।



अच्छी सूचना देने वालों को मिलेगा सम्मान

इस पहल को जन-अभियान का रूप देने के लिए इंदौर यातायात प्रबंधन पुलिस ने प्रत्येक सप्ताह उत्कृष्ट और प्रमाणिक सूचनाएं देने वाले जिम्मेदार नागरिकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क सुरक्षा को सामाजिक जिम्मेदारी बनाना है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की तस्वीर या चलचित्र बनाते समय अपनी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। इसके लिए चलते वाहन से तस्वीर लेने, सड़क पर जोखिम उठाने या संबंधित वाहन चालक से विवाद करने से बचें। नागरिक दिए गए क्यूआर संकेतक को स्कैन करके अथवा गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से 'इंदौर यातायात साथी' अनुप्रयोग डाउनलोड कर सकते हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह, पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन राजेश त्रिपाठी मौजूद रहे।

तीसरी बार बदला रूट, कोटा की जगह लबान से जुड़ेगा

अटल प्रोग्रेस-वे का फिर बदला स्वरूप, सिक्सलेन की जगह बनेगा फोरलेन, बचेंगे 1200 करोड़ों रु.

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

चंबल अंचल की महत्वाकांक्षी अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना का स्वरूप एक बार फिर बदलने जा रहा है। अब यह सिक्सलेन की जगह फोरलेन बनाया जाएगा। साथ ही इसके रूट में तीसरी बार संशोधन किया गया है। नए प्रस्ताव के अनुसार प्रोग्रेस-वे को राजस्थान के कोटा की जगह सवाई माधोपुर के पास लबान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव के निर्देश पर एनएचएआई ने संशोधित अलाइनमेंट की डीपीआर तैयार कर केंद्र सरकार को भेज दी है। नए रूट से परियोजना की लंबाई करीब 35 से 40 किमी कम होगी। इससे लगभग 1200 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। एनएचएआई ग्वालियर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर भरत जोइया के अनुसार संशोधित प्रस्ताव भेजा जा चुका है। अंतिम निर्णय केंद्र स्तर पर होगा। मंजूरी मिलने के बाद निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे।



मेट्रो एंकर

उज्जैन की वैश्य टेकरी में फिर होगी खुदाई

सांची से भी बड़ा स्तूप और रहस्यमयी कंकालों का खुलेगा राज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित ऐतिहासिक वैश्य टेकरी में 88 साल बाद दोबारा उत्खनन शुरू करने जा रहा है। संस्था के महानिदेशक ने इसकी अनुमति जारी कर दी है। वर्ष 1938 में पहली बार यहां खुदाई की गई थी, परंतु जहरीली गैस के रिसाव के कारण कुछ मजदूरों के बेहोश होने पर काम रोकना पड़ा था। अब एएसआई ने दिसंबर 2026 से इस उत्खनन को फिर से आरंभ करने की तैयारी पूरी कर ली है।

इस परियोजना का दायित्व भोपाल सर्किल के अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ. शिवाकांत वाजपेयी को सौंपा गया है। मौर्यकालीन सम्राट अशोक के शासनकाल 268 से 232 ईसा पूर्व के दौरान निर्मित यह स्थल बौद्ध इतिहास और तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को समझने की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बौद्ध स्तूप की विशालता- वैश्य टेकरी के पुरातात्विक टीले के नीचे सांची के प्रसिद्ध स्तूप से भी बड़ा बौद्ध स्तूप दबे होने की प्रबल संभावना जताई गई है। वर्ष 1938-39 की ऐतिहासिक उत्खनन रिपोर्ट के अनुसार इस स्थल पर स्थित स्तूप के आधार का व्यास लगभग 350 फीट और ऊंचाई न्यूनतम 100 फीट आंकी गई थी। इसकी तुलना में सांची के मुख्य स्तूप का व्यास केवल 120 फीट और ऊंचाई 54 फीट है। इसके अतिरिक्त इस स्थान पर दो छोटे स्तूपों के अवशेष भी प्राप्त हुए थे। पुरातत्वविदों का मानना है कि इस नवीन उत्खनन से मौर्यकालीन स्थापत्य कला और मध्य भारत में बौद्ध धर्म के प्रसार से जुड़े अनेक नए तथ्य सामने आ सकेंगे।

प्रथम उत्खनन का रहस्य- वैश्य टेकरी क्षेत्र में 88 वर्ष पूर्व हुई प्रथम खोदाई के दौरान आसपास के स्थान से 42 मानव कंकाल बरामद हुए थे। इन कंकालों में बच्चों तथा वयस्कों दोनों के अवशेष सम्मिलित थे। इनमें से कुछ शवों को दफनाने और कुछ के दाह संस्कार किए जाने के स्पष्ट साक्ष्य मिले थे। विभिन्न मुद्राओं में प्राप्त इन कंकालों का रहस्य आज तक पूरी तरह सुलझ नहीं सका है। नया उत्खनन इस क्षेत्र की प्राचीन सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं के साथ-साथ आसपास के अन्य पुरातात्विक स्थलों के अंतर्संबंधों को स्पष्ट करने में सहायक सिद्ध होगा।



रडार अध्ययन और योजना

एएसआई भोपाल सर्किल ने मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग के सहयोग से मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के माध्यम से एक विशेष तकनीकी सर्वेक्षण कराया है। इसके अंतर्गत ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार की मदद से टेकरी के भीतर दबी सामग्री और संरचनाओं का गहन अध्ययन किया गया है, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर सामने आने की संभावना है। राज्य सरकार वैश्य टेकरी को बौद्ध विरासत के प्रमुख केंद्र बुद्ध लोक के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

न्यूज विंडो

कहीं पकवानों की खुशबू ने लुभाया तो कहीं भूतिया महल ने डराया



गंजबासौदा। बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को आचार्य विद्या वैली हायर सेकेंडरी स्कूल में भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए, जहां अभिभावकों और नगरवासियों ने स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लिया। वहीं भूतिया महल आकर्षण का केंद्र रहा, जहां लोगों ने डर और रोमांच का अनुभव किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्रह्मचारिणी डॉ. आराधना जैन उपस्थित रहीं। डायरेक्टर प्रणय जैन ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को याद किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ और बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

भागवत कथा : भजनों पर झूमे श्रद्धालु मटकी फोड़ और 56 भोग ने मोहा मन



गंजबासौदा। श्री शीतला शक्ति धाम परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन शनिवार को श्री सनातन धर्म सेवा समिति संस्थान द्वारा कथावाचक पंडित विकास एलिया का शाल, श्रीफल और पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। इस अवसर पर कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा जीवन को सही दिशा देने के साथ परिवार में संस्कार और समाज में सद्भाव बढ़ाने का माध्यम है। कथा के दौरान भजनों की मधुर प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु झूम उठे। वहीं मटकी फोड़ आयोजन और भगवान को अर्पित 56 भोग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में प्रसादी वितरण किया गया।

रेत-गिट्टी के अवैध कारोबार पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, सात वाहन और जेसीबी जब्त

नर्मदापुरम। जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने शिकंजा कसते हुए अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। खनिज विभाग की टीम ने सात वाहन और गिट्टी के अवैध भंडारण में लगी एक जेसीबी मशीन जब्त की है। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर सुखतवा में गिट्टी का अवैध परिवहन करते एक डंपर और भंडारण में लगी जेसीबी पकड़ी गई। वहीं, ग्राम निमसाड़िया में रेत का ओवरलोड परिवहन करते चार डंपर जब्त किए गए। सिवनी मालवा में खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने रेत से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ीं। जब्त वाहनों को संबंधित थानों और आरटीओ परिसर में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है।

निमसाड़िया में ओवरलोड रेत के चार डंपर पकड़े, सुखतवा और सिवनी मालवा में भी खनिज विभाग की कार्रवाई

बच्चों ने सजाए स्वाद के स्टॉल, बाल मेले में दिखा हुनर और आत्मविश्वास



नरसिंहपुर। पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास स्थित ज्ञान गंगा विद्यापीठ हाईस्कूल में बाल दिवस पर भव्य बाल मेले एवं व्यंजन स्टॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने चाऊमीन, इडली-सांभर, जलेबी, कप केक, सैंडविच, फुल्की और फ्रूट सलाद सहित विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाकर अपनी पाक कला और व्यावसायिक हुनर का प्रदर्शन किया। अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जनपद अध्यक्ष एवं संस्था अध्यक्ष नंदकिशोर ठाकुर, विशिष्ट अतिथि पत्रकार मनीष साहू और संस्था संचालक बसंत सोनी की उपस्थिति में हुआ। प्राचार्य शकुन सोनी सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने आयोजन में सहयोग किया।

9 गांवों की जमीन और पर्यावरण पर पड़ेगा असर, 13.84 करोड़ टन भंडार में से महज 2.09 करोड़ टन निकालने की योजना

13 सीम वाली खदान में 34 साल तक होगा खनन, सिर्फ 3 से निकलेगा कोयला

उमरिया। दोपहर मेट्रो

सोहागपुर कोलफील्ड की प्रस्तावित वेस्ट ऑफ शहडोल (साउथ) कोयला खदान परियोजना ने पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय आबादी की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। तहसील पाली में प्रस्तावित इस परियोजना का क्षेत्रफल 1481.19 हेक्टेयर है। दस्तावेज के अनुसार 0.7 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन क्षमता वाली खदान में निर्माण अवधि सहित करीब 34 वर्षों तक खनन किया जाएगा।

परियोजना क्षेत्र में कुल 13 कोयला सीम उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से केवल तीन सीम से ही खनन प्रस्तावित है। यहां 138.3591 मिलियन टन भूवैज्ञानिक कोयला भंडार के मुकाबले 20.96 मिलियन टन ही निष्कर्षण योग्य बताया गया है। परियोजना से नौ गांव अमिलिहा, भीमाडोंगरी, महुरई, बंधवाबारा, कन्नबहरा, देवगवां, चंदनिया खुर्द, बंधवा खुर्द और बरगवां प्रभावित होंगे। खनन में ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, एलएचडी और कंटीन्यूअस माइनर तकनीक अपनाई जाएगी। कोयले का परिवहन कन्वेयर बेल्ट और ट्रकों के जरिए एनएच-43 नेटवर्क से होगा। परियोजना में 36 हजार घन मीटर ठोस अपशिष्ट निकलने का अनुमान है। ऐसे में भूजल, जलस्रोत, वायु गुणवत्ता, कृषि भूमि और वन क्षेत्र की सुरक्षा तथा अपशिष्ट निस्तारण की व्यवस्था को लेकर स्पष्ट जवाबदेही जरूरी है। परियोजना दस्तावेज के अनुसार क्षेत्र में 138.3591 मिलियन टन यानी करीब 13.84 करोड़ टन भूवैज्ञानिक कोयला भंडार मौजूद है। इसके बावजूद वर्तमान खनन योजना में केवल 20.96 मिलियन टन यानी लगभग 2.09 करोड़ टन कोयला ही निकालने योग्य माना गया है। दोनों आंकड़ों के बीच करीब 117.3991 मिलियन टन यानी 11.74 करोड़ टन का अंतर है। सवाल उठता है कि शेष कोयले को खनन योग्य क्यों नहीं माना गया? क्या इसकी वजह भूगर्भीय संरचना, अधिक गहराई, तकनीकी कठिनाई, आर्थिक व्यवहार्यता या सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हैं? परियोजना दस्तावेज में इन कारणों की स्पष्ट जानकारी महत्वपूर्ण होगी।

36 हजार घन मी अपशिष्ट, निस्तारण की चुनौती

34 वर्षों तक प्रस्तावित खनन से करीब 36 हजार घन मीटर ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होने का अनुमान है। इसके निस्तारण के लिए कितनी भूमि निर्धारित की गई है और अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन कैसे होगा, यह अहम सवाल है। इसके अलावा खनन और ब्लास्टिंग से भूजल स्तर, आसपास के जलस्रोतों, हवा की गुणवत्ता, कृषि भूमि और वन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन जरूरी है।

मछरयाई कलारी के पास संदिग्ध शराब पीने से युवक की मौत, दूसरा ICU में भर्ती

सागर। शहर के मछरयाई स्थित देशी शराब दुकान के पास शनिवार शाम शराब पीने के बाद दो युवकों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें मछरयाई निवासी विष्णु खटीक (35) की दुकान परिसर के पास मौत हो गई, जबकि पुरख्याऊ टौरी निवासी कमलेश सोनी (50) को गंभीर हालत में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

मृतक के पास डीसीआर लाल मसाला शराब का क्वार्टर मिला, जिस पर बैच नंबर 163 दर्ज है। आबकारी विभाग ने दुकान से शराब के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी है। सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पांडेय के अनुसार इसी बैच की शराब 10 नवंबर को लैब टेस्टिंग के बाद सागर और खुरई वेयरहाउस भेजी गई थी। एडिशनल एसपी नरेंद्र सोलंकी ने बताया कि एहतियातन दुकान बंद करा दी गई है।

पॉक्सो एक्ट सहित दो मामलों में था वांछित, डेहरी चौकी पुलिस ने पकड़ा

दो माह से फरार चल रहा अपहरण-दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, 8 हजार का था इनाम

धार। दोपहर मेट्रो

अपहरण और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामलों में दो माह से फरार चल रहे 8 हजार रुपए के इनामी आरोपी को बाग थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में दो प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रमेश पिता गणपत भाबर (23), निवासी ग्राम कुडूजेता, थाना बाग है। उसके खिलाफ थाना कुक्षी में अपराध क्रमांक 231/2026 और 265/2026 के तहत अपहरण, दुष्कर्म सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। घटनाओं के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने 8 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। फरार आरोपी और अपहृता की तलाश में साइबर सेल धार सहित पुलिस की टीमें जुटी हुई थीं। इसी दौरान 14 नवंबर को पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई थाना प्रभारी बाग निरीक्षक हिरुसिंह रावत के नेतृत्व में डेहरी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक नवलसिंह बघेल की टीम ने की। अभियान में साइबर प्रभारी धार, आरक्षक प्रशांत, प्रधान आरक्षक भावसिंह रावत, आरक्षक मुकेश, महिला आरक्षक फुलवंती और सैनिक अजय का विशेष योगदान रहा।



हवाई फायर कर फैलाई दहशत, पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

दमोह। ग्राम ग्वारी में एक परिवार के घर आधी रात को पहुंचकर गाली-गलौज, धमकी और देशी कट्टे से हवाई फायर करने का मामला सामने आया है। पीड़ित संतोष रजक उर्फ बसंत ने एसपी दमोह को शिकायत सौंपकर कठोर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 9 नवंबर की रात राहुल रजक, सुनील रजक सहित 5-6 लोग कार से घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। रोकने पर हथियार निकालकर हवाई फायर कर दहशत फैला दी। घटना के समय भरत रजक, अरविंद रजक सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। पीड़ित परिवार घटना के बाद से डरा हुआ है और बड़ी घटना की आशंका जता रहा है।

हत्या के प्रयास के मामले में दो फरार आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त डंडे जब्त



धार। धामनोद थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त दो लकड़ी के डंडे भी जब्त किए गए हैं। दोनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।फरियादी छगनलाल मेवाड़े ने 4 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात करीब 8 बजे चंदन, परमानंद और हिमांशु अपने साथी के साथ उसके घर पहुंचे और थाने में रिपोर्ट करने की बात पर गाली-गलौच करने लगे। चंदन ने तलवार से मुकेश के कंधे पर वार किया, जबकि परमानंद और हिमांशु ने लाठी से छगनलाल और श्रीराम पर हमला कर घायल कर दिया।थाना प्रभारी संतोषसिंह यादव ने टीम गठित की। टीम ने हिमांशु वर्मा (22) और परमानंद उर्फ पम्मु वर्मा (48) निवासी कहार मोहल्ला सुन्द्रेल को गिरफ्तार किया।

कलेक्टर ने उप महाप्रबंधक को जारी किया नोटिस

शहडोल। सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बुढ़ार में शौचालय निर्माण की गुणवत्ता में खामी मिलने पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के उप महाप्रबंधक अच्छेलाल अहिरवार को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कलेक्टर ने 13 नवंबर को विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया था। इस दौरान नवनिर्मित शौचालयों का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी उप महाप्रबंधक की थी। कलेक्टर ने इसे उनकी लापरवाही और उदासीनता मानते हुए नोटिस जारी किया है।

मध्यान्ह भोजन मामले में बीईओ, बीआरसी को नोटिस

शहडोल। ब्यौहारी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय बदरचुआ में मध्यान्ह भोजन करने के बाद कई बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी स्थिति सामान्य बताई गई है। मामले में बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिला पंचायत ने 23 सितंबर को स्वाती स्व-सहायता समूह को हटाकर नव जमुना समूह को भोजन बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन इसके बावजूद पुराने समूह द्वारा ही भोजन बनाया जा रहा था। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने बीईओ और बीआरसी को नोटिस जारी करने तथा पुराने समूह को कार्य से पृथक करने के निर्देश दिए हैं। भोजन का नमूना जांच के लिए भेजा गया है।

पुराने बस स्टैंड पर फिर थमेंगी बसें, यात्रियों को 10 रुपए में मिलेगी ऑटो सुविधा

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन विद्यार्थियों, मजदूरों की परेशानी पर मिला राहत का आश्वासन



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पुराने बस स्टैंड पर बसों का स्टॉपेज बंद होने से परेशान ग्रामीण यात्रियों, विद्यार्थियों और मजदूरों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय गुड्डन ने इस समस्या को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि जल्द ही पुराने बस स्टैंड पर कुछ बसों का स्टॉपेज शुरू कराया जाएगा। साथ ही स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए 10 रुपए किराये में ऑटो संचालन की व्यवस्था भी की जाएगी।

पाण्डेय ने बताया कि बसों का आवागमन बंद होने से शासकीय कॉलेज, गर्ल्स कॉलेज सहित आसपास के संस्थानों में आने वाले विद्यार्थियों और ग्रामीण यात्रियों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। प्रतिनिधिमंडल ने समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग की। इस दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

यात्रियों से भरी बस के फेल हुए ब्रेक, चालक ने खंती में उतारकर बचाई 30 लोगों की जान

राजगढ़। जिले के सारंगपुर में रविवार सुबह यात्रियों से भरी एक बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए अनियंत्रित बस को सड़क किनारे खंती में उतार दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। बस में करीब 25 से 30 यात्री सवार थे और सभी सुरक्षित बच गए। हालांकि खुजनेर के वार्ड क्रमांक-2 की पार्षद रामकलाबाई को कमर में हल्की चोट आई है।

जानकारी के अनुसार पुरोहित ट्रेवल्स की बस जीरापुर से खुजनेर होते हुए इंदौर जा रही थी। सारंगपुर में रेलवे स्टेशन के सामने पुराने एबी रोड पर बस स्टैंड की ओर बढ़ते समय अचानक ब्रेक फेल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

दहेज में बाइक नहीं मिली तो पत्नी को किया प्रताड़ित, कुएं में कूदकर दी जान

20 वर्षीय डॉली की मौत के बाद पति पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज, परिजनों के बयानों में सामने आई प्रताड़ना की बात

धार/धामनोद। दोपहर मेट्रो

दहेज में अपाचे मोटरसाइकिल की मांग पूरी नहीं होने पर नवविवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। धामनोद थाना पुलिस ने मर्ग जांच के बाद मृतिका के पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम बलवारी निवासी 20 वर्षीय डॉली की 20 अक्टूबर 2026 को कमल पिता चंदर पाटीदार के खेत स्थित कुएं में गिरने से मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। कार्यपालक मजिस्ट्रेट तहसील टप्पा धामनोद कृष्णा पटेल की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई की गई और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धामनोद में पैनल डॉक्टरों से पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में मृत्यु का कारण पानी में डूबने से दम घुटना बताया गया।

मर्ग जांच के दौरान मृतिका के पिता कैलाश, मां संतोषीबाई और काका धर्मेंद्र के बयान दर्ज किए गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही पति संतोष पिता घनश्याम खदेड़ा दहेज में अपाचे मोटरसाइकिल नहीं मिलने को लेकर डाली को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान कर रहा था। परिजनों के अनुसार इसी प्रताड़ना से परेशान होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया।

पुलिस ने जांच में सामने आए बयानों और साक्ष्यों के आधार पर पति संतोष खदेड़ा निवासी ग्राम बलवारी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया है। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को दिया अल्टीमेटम, पुराने नामांतरण मामलों के निराकरण के लिए चलेगा अभियान

एसटीआर के विस्थापित गांवों के अधिकार अभिलेख 90 दिन में होंगे तैयार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में हो रही देरी पर कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने सख्त नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के विस्थापित गांवों के अधिकार अभिलेख तैयार करने और उनके प्रकाशन की प्रक्रिया अगले 90 दिनों में पूरी की जाएगी। इसके लिए वन व्यवस्थापन से जुड़े 32 प्रकरणों को प्राथमिकता दी गई है।

शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सीमांकन, नामांतरण, अविवादित बंटवारे, भू-अर्जन, नक्शा पायलट प्रोजेक्ट और साइबर तहसील के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय समन्वय की कमी के कारण कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर ने लंबित सीमांकन मामलों को एक सप्ताह में पूरा करने, दो माह से अधिक पुराने नामांतरण प्रकरणों का निराकरण कर पेंडेंसी शून्य करने और नए मामलों को निर्धारित समय में निपटाने को कहा। वन ग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व मामलों में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



सीमांकन और नामांतरण पर सख्ती, पेंडेंसी होगी खत्म

कलेक्टर ने लंबित सीमांकन प्रकरणों की राजस्व निरीक्षकवार सूची तैयार कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश दिए हैं। सभी लंबित सीमांकन मामलों को एक सप्ताह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं दो माह से अधिक समय से लंबित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण कर पेंडेंसी शून्य करने को कहा गया है। अविवादित बंटवारे के मामलों में भी विशेष अभियान चलाया जाएगा, ताकि जिले की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में सुधार हो सके। अधिकारियों को नए नामांतरण प्रकरणों का भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना होगा।

रिपोर्ट के लिए अब 10 दिन से ज्यादा इंतजार नहीं

साइबर तहसील के प्रकरणों में तेजी लाने के लिए कलेक्टर ने पटवारी रिपोर्ट की समय-सीमा अधिकतम 10 दिन निर्धारित की है। रिपोर्ट के इंतजार में कोई मामला इससे अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए। तहसीलदारों को स्वयं निगरानी कर प्रकरणों का निराकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। नक्शा पायलट प्रोजेक्ट में जीटी का काम प्राथमिकता से पूरा करने और जहां यह कार्य पूरा हो चुका है, वहां एक सप्ताह में आरओआर प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है। सड़क और रेलवे परियोजनाओं सहित भू-अर्जन के मामलों में भी राजस्व स्तर पर कोई कार्रवाई लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक/था.प्र./तलैया/भो/मर्ग क्रमांक-26/2026 दिनांक-12/11/2026

प्रति,

जाहिर सूचना

सर्व साधाराण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख कर निवेदन है कि थाना तलैया पर दिनांक 12.08.2026 को सूचक मोह. जाकिर खान पिता मोह. आबिद



खान उम्र 34 साल निवासी म.नं 03 कप्तान शादीहाल के सामने गिन्नौरी थाना तलैया भोपाल कि सूचना पर थाना तलैया भोपाल मे मर्ग क्र 26/2026 धारा 194 बीएनएसएस का पंजीबध्द कर जाँच मे लिया गया। मृतक अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 50 से 55 साल के परिजनो की तलाश हेतु हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

हुलिया अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 50 से 55 साल चेहरा लम्बा, रंग सांवला चहरे पर सफेद काली दाड़ी मूछ व सर के बाल काले सफेद, कद करीबन 5 फिट 8 इंच जो नीले हरे रंग की आड़ी लाईन दार टीशर्ट पहना है व नीचे ग्रे ब्लैक कलर का लोवर जिस पर सफेद रंग की लाईन बनी है।

जिसके परिजनो की तलाश पतारसी के हरसंभव प्रयास किये गये जो कोई जानकारी नही मिली जिस व्यक्ति को जानकारी हो थाना तलैया भोपाल उपस्थित आकर जानकारी देवे अथवा दुरभाष क्रमांक 9479990553 एवं जाँचकर्ता प्रआर 501 शाहिद खांन के मो.न. 7049105855 पर तत्काल संपर्क करे।

G-21461/26 थाना प्रभारी, थाना तलैया भोपाल

बुमराह की वापसी से न्यूजीलैंड की बढ़ी मुश्किलें! विल यंग बोले-

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज होगी बड़ी परीक्षा, कीवी गेंदबाज भी देंगे टक्कर

माउंट माउंगानुई, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले क्रिकेट जगत में रोमांच बढ़ गया है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी ने मेजबान न्यूजीलैंड की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज विल यंग ने स्वीकार किया है कि बुमराह की मौजूदगी भारतीय टीम को और खतरनाक बनाएगी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि न्यूजीलैंड के पास ऐसे गेंदबाज हैं, जो भारतीय बल्लेबाजों को मुश्किल में डालने की क्षमता रखते हैं।

घुटने की चोट के कारण अगस्त में श्रीलंका दौरे से बाहर रहे बुमराह अब टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। ऐसे में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की चुनौती होगी। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज 2024 में भारत में न्यूजीलैंड की 3-0 की ऐतिहासिक जीत के बाद पहली टेस्ट भिड़ंत होगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विल यंग ने कहा कि बुमराह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं। उनकी वापसी से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती होगी। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी टीम के गेंदबाज भी भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेंगे। यंग के मुताबिक, दो टेस्ट मैचों की यह सीरीज बेहद दिलचस्प होगी। न्यूजीलैंड के घरेलू मैदानों पर परिस्थितियां भारत से काफी अलग होंगी। वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च जैसे प्रमुख टेस्ट मैदानों पर दोनों टीमों को अपनी रणनीति के अनुसार खेलना होगा।

3-0 की जीत से मिला था आत्मविश्वास

2024 में भारत को उसी की धरती पर 3-0 से हराने वाली न्यूजीलैंड टीम के आत्मविश्वास पर बात करते हुए यंग ने कहा कि उस जीत ने पूरी टीम को नई ऊर्जा दी थी। भारत दौरे से पहले श्रीलंका के खिलाफ 2-0 की हार के बावजूद टीम ने सकारात्मक सोच बनाए रखी थी। उन्होंने बताया कि भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ विशेष रणनीति तैयार की गई थी। टीम ने खुद पर भरोसा रखा और आक्रामक तथा सकारात्मक क्रिकेट खेलने का फैसला किया था।



भारत के गेंदबाजी आक्रमण की भी तारीफ

यंग ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को संतुलित बताते हुए अर्शदीप सिंह, आकिब नबी, कंबोज और बरार की क्षमताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाजों के पास स्विंग, सटीक लाइन-लेंथ और पिच से मदद हासिल करने की क्षमता है। यह टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। अगले साल द ओवल में होने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए दोनों टीमें अंक जुटाने की कोशिश करेंगी। न्यूजीलैंड, भारत में मिली पिछली जीत के आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा, जबकि भारतीय टीम बुमराह की वापसी के दम पर घरेलू मैदानों के बाहर अपनी ताकत दिखाना चाहेगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में बुमराह की धार भारी पड़ती है या कीवी गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों को अपनी स्विंग और सीम से परेशान करने में सफल होते हैं।

अंडर-19 एशिया कप के खिताबी मुकाबले

शोर सहवाग-द्रविड़ के बेटों का था, लेकिन पूरी महफिल लूट ले गए मोहित और मनल

338 रन का पहाड़ जैसा लक्ष्य, आठ विकेट गिरने के बाद भी नहीं मानी हार

मनल ने 47 और मोहित ने नाबाद 49 रन ठोककर पलट दी बाजी

अल अमेरात, एजेंसी

अंडर-19 एशिया कप के खिताबी मुकाबले में भारत और पाकिस्तान के बीच ऐसा रोमांच देखने को मिला, जिसने क्रिकेट प्रेमियों की धड़कनें बढ़ा दीं। मुकाबले से पहले सभी की निगाहें दिग्गज क्रिकेटरों वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ पर थीं। आर्यवीर ने बल्ले से शानदार योगदान दिया, जबकि अन्वय भी भारतीय टीम की अंतिम एकादश का हिस्सा थे। हालांकि, खिताब जिताने की असली कहानी दो ऐसे खिलाड़ियों ने लिखी, जिनसे शायद ही किसी ने इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद की थी। मनल चौहान और मोहित उल्वा ने पाकिस्तान के जबड़े से जीत छीनकर भारत को एशिया कप का चैंपियन बना दिया। भारत ने आखिरी गेंद पर एक विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

भारत के सामने पाकिस्तान ने 338 रन का विशाल लक्ष्य रखा था। जवाब में भारतीय टीम एक समय अच्छी स्थिति में दिखाई दे रही थी, लेकिन मध्यक्रम के लड़खड़ाने से मुकाबला पूरी तरह पाकिस्तान के पक्ष में झुक गया। 42वें गेंदबाजी चक्र तक भारत ने 252 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। भारतीय बल्लेबाज लगातार पवेलियन लौट रहे थे और पाकिस्तान के गेंदबाजों ने शिकंजा कस दिया था। भारत को जीत के लिए अंतिम 51 गेंदों में 86 रन की जरूरत थी और उसके केवल दो विकेट शेष थे। ऐसे मुश्किल समय में सातवें क्रम पर बल्लेबाजी करने उतरे मनल चौहान और दसवें क्रम के बल्लेबाज मोहित उल्वा ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने आक्रामक अंदाज में पाकिस्तानी गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। महज 5.5 ओवर में 57 रन जोड़कर उन्होंने मुकाबले का रुख बदल दिया। उनकी बल्लेबाजी के सामने पाकिस्तान की पूरी रणनीति बिखर गई।



मनल ने जमाया रंग, मोहित ने दिलाया खिताब

मनल चौहान ने केवल 32 गेंदों में 47 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने मैदान के चारों ओर आकर्षक प्रहार करते हुए भारतीय उम्मीदों को जिंदा रखा। हालांकि, 48वें ओवर में मनल का विकेट गिरने से भारत को एक और झटका लगा। उस समय टीम को 16 गेंदों में 29 रन बनाने थे और केवल एक विकेट बाकी था। अब सारी जिम्मेदारी मोहित उल्वा के कंधों पर आ गई। उन्हें 11वें क्रम के बल्लेबाज सी. वेंकट का साथ मिला। वेंकट ने अपने पहले ही मुकाबले में आठ गेंदों पर नाबाद 11 रन बनाकर बहुमूल्य योगदान दिया। दोनों ने दबाव के बावजूद संयम बनाए रखा और भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

चोट के बावजूद आर्यवीर ने खेली जिम्मेदारी भरी पारी



इससे पहले आर्यवीर सहवाग ने चोट के बावजूद शानदार बल्लेबाजी करते हुए 61 गेंदों पर 58 रन बनाए। उन्होंने लक्ष्य रायचंदानी के साथ पहले विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। लक्ष्य ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए 101 गेंदों पर 80 रन बनाए। आर्यवीर 18वें ओवर में नियाक शफीक की गेंद पर कैच आउट हुए। लक्ष्य 37वें ओवर में हसनैन अब्बास डार के शानदार कैच का शिकार बने। इसके तुरंत बाद अन्वय द्रविड़ भी बिना खाता खोले रन आउट हो गए। वह क्रीज से बाहर निकल गए थे और गेंद सीधे विकेटों पर जा लगी। इन झटकों के बाद भारतीय पारी बुरी तरह लड़खड़ा गई। टीम ने महज 80 रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज रिजवानुल्लाह ने बीच के ओवरों में तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की पकड़ मजबूत कर दी थी। ऐसे में मनल और मोहित की साझेदारी निर्णायक साबित हुई।

आखिरी गेंद पर युवाओं का चैंपियन पंच

मियांदाद के छक्के का जवाब मोहित का चौका

क्रिकेट के इतिहास में कुछ मुकाबले सिर्फ जीत और हार के आंकड़ों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपनी रोमांचक कहानी के कारण दशकों तक याद किए जाते हैं। 18 अप्रैल 1986 को शारजाह के मैदान पर भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए ऑस्ट्रल-एशिया कप के फाइनल में जावेद मियांदाद का आखिरी गेंद पर लगाया गया छक्का भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए ऐसा ही एक दर्दनाक पल था। उस दिन आखिरी गेंद पर चार रन की जरूरत थी और मियांदाद ने छक्का लगाकर भारत के मुंह से जीत छीन ली थी। करीब 40 साल बाद अमीरात की जमीन पर अंडर-19 टीम इंडिया ने एक ऐसी ही रोमांचक जीत दर्ज कर उस पुरानी याद का नए अंदाज में जवाब दे दिया।दिलचस्प संयोग यह रहा कि दोनों मुकाबलों का नतीजा एक विकेट से निकला। इस जीत ने न सिर्फ भारतीय क्रिकेट को एक और खिताब दिया, बल्कि पुरानी हार की कसक को भी कुछ हद तक कम किया।इस फाइनल की सबसे बड़ी खूबसूरती यह रही कि युवा टीम इंडिया ने हार के मुहाने से वापसी करते हुए जीत हासिल की। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए उस्मान खान के शतक,कादिर के 80 और कप्तान फरहान यूसुफ के 63 रनों की मदद से नौ विकेट पर 337 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। फाइनल के नजरिये से युवा टीम इंडिया के सामने 338 रनों का मुश्किल टारगेट कहा जा सकता है। जवाब में कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 और आर्यवीर सहवाग ने 58 रनों की पारी खेलकर टीम को दमदार शुरुआत दी। लेकिन मध्यक्रम के लड़खड़ाने से मुकाबला पाकिस्तान की तरफ झुकता नजर आने लगा। एक समय में टीम इंडिया 252 रन पर आठ विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जीत की आस बेहद कम नजर आ रही थीं। लेकिन नौवें विकेट के लिए मोहित उल्वा और मनाल चौहान ने जिस जुझारूपन का परिचय दिया, उसने मैच का पूरा रुख बदल दिया।दोनों ने 57 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम इंडिया को मुकाबले में वापस ला खड़ा किया। मनाल ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित ने महज 26 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की विस्फोटक पारी खेली।आखिरी समय में वेंकट ने भी उनका बखूबी साथ निभाया।

आखिरी ओवर में टीम इंडिया को आठ रनों की जरूरत थी,वहीं अंतिम गेंद पर तीन रन बनाने थे।पाकिस्तान के गेंदबाज अहमद हुसैन की आखिरी गेंद पर मोहित ने चौका जड़कर भारतीय खेमे में जश्न का तूफान ला दिया। यह सिर्फ एक चौका नहीं था, बल्कि दबाव में बिखरने के बजाय मुकाबले को अपने नाम करने की युवा टीम इंडिया की मानसिक मजबूती का सबूत था। दरअसल इस जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि टीम इंडिया को लीग चरण में पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। फाइनल में उसी प्रतिद्वंद्वी को हराकर खिताब जीतना युवा खिलाड़ियों के लिए किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। युवा टीम इंडिया ने नवीं बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया,हालांकि 5 सालों के बाद इस युवाओं ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।ऐसे में इस जीत को केवल एक टूर्नामेंट की सफलता मानना सही नहीं होगा। यह भारतीय क्रिकेट की मजबूत युवा प्रतिभा, संघर्ष करने की काबलियत और बड़े मुकाबलों में दबाव झेलने के हुनर को भी साबित करता है। मोहित उल्वा की यह पारी आने वाले समय में लंबे अरसे तक याद रखी जाएगी। शारजाह में मियांदाद के छक्के ने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को जो दर्द दिया था, उसका जवाब इस बार युवा भारत ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर दिया। इतिहास ने एक बार फिर खुद को दोहराया, लेकिन इस बार कहानी का अंत टीम इंडिया के पक्ष में हुआ।



आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बिग बी ने बताया सफलता और इच्छाओं का सच, बोले-

अब बिना मांगे इतना मिल रहा है कि संभालना मुश्किल हो रहा है

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी दमदार अदाकारी के साथ-साथ जिंदगी के अनुभवों और गहरी बातों के लिए भी जाने जाते हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया के जरिए जीवन, समय, रिश्तों और इंसानी इच्छाओं से जुड़े विचार साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने जिंदगी की एक ऐसी सच्चाई बयां की, जो हर इंसान को सोचने पर मजबूर कर देती है। उनकी यह बात इच्छाओं, सफलता और बदलते वक्त के बीच इंसान की मनोदशा को बखूबी दर्शाती है।

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक विचार साझा करते हुए लिखा कि जब इंसान के पास कुछ नहीं होता, तब वह लगातार अधिक पाने की इच्छा रखता है। उसे लगता है कि बस कुछ भी मिल जाए, तो जिंदगी संवर जाएगी। लेकिन जब ईश्वर की कृपा से सब कुछ मिलने लगता है, तब इंसान के सामने उसे संभालने की चुनौती खड़ी हो जाती है। उन्होंने लिखा, जब नहीं मिलता था, तो मांगते थे। कुछ भी मिल जाए, बस मिल जाए। अब जब ईश्वर की कृपा से मिल रहा है, तो कह रहे हैं कि इतना मिल गया है, रखेंगे कहां?



बिना मांगे मिलता है तो समझ नहीं आता क्या करें-

महानायक ने आगे लिखा कि जीवन का एक बड़ा सत्य यही है कि जब जरूरत होती है, तब चीजें आसानी से नहीं मिलतीं। लेकिन जब बिना मांगे मिलने लगती हैं, तो इंसान खुद ही हैरान रह जाता है कि आखिर उसने इतना सब तो मांगा ही नहीं था। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, जीवन का बहुत बड़ा सत्य है ये- जब नहीं था, तो मांगा जाता था लेकिन मिलता नहीं था। अब बिना मांगे मिलता जा रहा है और समझ नहीं आता कि मांगा तो था, पर इतना नहीं।

दुनिया किसी के हिसाब से नहीं चलती

अपनी बात को मजेदार अंदाज में खत्म करते हुए अमिताभ ने लिखा कि दुनिया किसी व्यक्ति की इच्छा के अनुसार नहीं चलती। समय रहते मिलने वाले अवसरों को पकड़ लेना चाहिए, क्योंकि मौका निकल जाने के बाद पछताने से कुछ हासिल नहीं होता। अंत में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में लिखा, अब चले हम नींद पकड़ने।अमिताभ बच्चन इन दिनों लोकप्रिय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कौन बनेगा करोड़पति की मेजबानी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के तीसरे संस्करण में अभिनेता शाहरुख खान ने उनकी जगह ली थी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ, बोलीं-वो सबको बेस्ट दिखाते हैं

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया।

उन्होंने कहा, सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।



चित्रांगदा सिंह ने मातृभूमि के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ÷जब से मातृभूमि के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है। मैं वाकई चाहती हूं कि दर्शक फिल्म में हमारी जोड़ी को देखें। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह (चित्रांगदा इसमें सलमान की पत्नी का किरदार निभा रही हैं) मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पुराना नाम बैटल ऑफ गलवान था, जो भारत-चीन संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित थी। सलमान प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले फिल्म की कहानी एक भारतीय सैनिक के जीवन, युद्ध के खौफनाक मंजर, परिवार के दर्द और शांति के संदेश के इर्द-गिर्द घूमती है।



मेट्रो बाजार

भारत में ऑटो सेक्टर में बूम, अक्टूबर में पहली बार 5 लाख के पार पहुंची कार-एसयूवी बिक्री

नई दिल्ली । भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया। देश में कार और एसयूवी समेत यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में पहली बार 5 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में घरेलू यात्री वाहन बिक्री सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत बढ़कर 5,19,060 यूनिट हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में 4,61,614 यूनिट की बिक्री हुई थी।

यात्री वाहन श्रेणी में यूटिलिटी व्हीकल यानी एसयूवी की मांग सबसे मजबूत रही। अक्टूबर में इनकी बिक्री 11.4 प्रतिशत बढ़कर 3,01,141 यूनिट रही। वहीं कारों की बिक्री 11.8 प्रतिशत बढ़कर 1,30,305 यूनिट पर पहुंच गई। इस तरह त्योहारों के सीजन के दौरान कार और एसयूवी की मजबूत मांग ने यात्री वाहन बाजार को नई ऊंचाई पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली, और इस दौरान कुल दोपहिया बिक्री 16.1 प्रतिशत बढ़कर 25,77,810 यूनिट हो गई। इसमें स्कूटरों का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। स्कूटर की बिक्री 31.6 प्रतिशत बढ़कर 10,96,756 यूनिट पहुंच गई। वहीं मोटरसाइकिल की बिक्री 6.6 प्रतिशत बढ़कर 14,23,118 यूनिट रही। मोपेड की बिक्री में भी 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सरकार का बड़ा दावा! दुनिया के मुकाबले भारत में सबसे सस्ता ईंधन, जनता को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत की ईंधन मूल्य नीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत आज भी दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां नागरिकों को अपेक्षाकृत कम कीमतों पर ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के बावजूद केंद्र सरकार ने आम जनता, विशेषकर गरीब और वंचित परिवारों पर ऊर्जा कीमतों का पूरा बोझ नहीं पड़ने दिया।



अपने आवास पर रसोई गैस वितरकों के साथ आयोजित बैठक में हरदीप पुरी ने उनकी समस्याएं सुनीं और सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि रसोई गैस वितरक देश के ऊर्जा वितरण तंत्र की रीढ़ हैं। करोड़ों परिवारों तक गैस पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 में देश में लगभग 13 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन थे, जो अब बढ़कर 32 करोड़ से अधिक हो चुके हैं। इनमें 10 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत उपलब्ध कराए गए हैं।

हरदीप पुरी ने बताया कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमतों का पूरा असर भारतीय उपभोक्ताओं पर डाला जाता तो डीजल की कीमत में 54 रुपये प्रति लीटर तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो सकती थी। हालांकि, सरकार और तेल कंपनियों ने इसका पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला। उन्होंने बताया कि संभावित 54 रुपये की बढ़ोतरी के मुकाबले डीजल के दाम में केवल 7 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई। इसी तरह पेट्रोल में संभावित 19 रुपये की बढ़ोतरी के मुकाबले केवल 7 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई।

जर्मनी में 'गोल्डन मंथ'



जर्मनी के फ्रैंकफर्ट के टोनस क्षेत्र में 'गोल्डन मंथ' यानी पत्तों के रंग बदलने का मौसम दिखाई दिया। सामान्यतः अक्टूबर की शुरुआत में ही पेड़ सुनहरे, नारंगी और लाल रंगों से सन जाते हैं, लेकिन इस बार हवा-बारिश और अनियमित तापमान के कारण पत्तों की क्रिया नीचे खिसकी और रंग लगभग 15 अक्टूबर के आसपास ही शुरू हुई। मौसम विभाग के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक का कहना है, 'गर्मी की देर और कम बौछारों ने पत्तों को रंग बदलने की प्रक्रिया धीमी कर दी है।' वहीं, एक्सपर्ट का कहना है कि यह देरी पर्यटकों के लिए फायदेमंद हो सकती है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंकफर्ट में अक्टूबर माह में 9.94 लाख रात्रि ठहराव दर्ज हुए। पर्यटन एजेंसियों का अनुमान है कि इस वर्ष, 'फॉल फोलिएज' आकर्षण की वजह से इस अक्टूबर के अंत तक फ्रैंकफर्ट में 5 से 7 प्रतिशत अधिक पर्यटक पहुंच सकते हैं। इस मौसम की अनूठी सुर्खियो और रंगीन दृश्यों की चमक हो इस देरी को टूरिस्टों की दिलचस्पी में बदल सकती है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

'वोटर लिस्ट की सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध'

नई दिल्ली। एजेंसी

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए बताया है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल हों। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आयोग 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (स्ढ्ढक्र) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में मौजूद कमियों को भी दूर कर रहा है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, 'समय-समय पर कुछ समस्याएं आती रही हैं और आगे भी आ सकती हैं। आयोग इस बात को लेकर पूरी तरह सजग है कि जो लोग वोट देने के पात्र हैं, उनके नाम मतदाता सूची में हों। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन सूचियों में मौजूद सभी कमियों को दूर किया जाए।' चुनाव आयोग ने कहा, 'जिन मतदाताओं के नाम पिछली मतदाता सूची में थे, लेकिन मौजूदा ड्राफ्ट मतदाता सूची से गायब हैं, वे बिना किसी कानूनी कार्रवाई के डर के 'फॉर्म 6' भरकर फिर से आवेदन कर सकते हैं। बशर्ते, वे किसी अन्य संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में पहले



से पंजीकृत न हों और उनके द्वारा दिए गए घोषणा-पत्र कानून के अनुरूप हों।'

चुनाव आयोग ने कोर्ट को यह भी बताया, 'उन मतदाताओं तक पहुंचने के सुझाव पर ध्यान दिया है जिन्हें 'एएसडीडी' (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लिकेट) श्रेणी में रखा गया है, ताकि उन्हें मतदाता सूची में फिर से शामिल किया जा सके।' चुनाव आयोग की तरफ से यह स्पष्टीकरण तब आया है, जब ऐसी चिंताएं जताई गईं कि जो लोग पहले से पंजीकृत हैं, वे यदि फिर से 'फॉर्म 6' जमा करते हैं, तो उन पर 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950' की धारा 31 के तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

चुनाव आयोग ने दिए निर्देश

आयोग ने 6 नवंबर, 2026 को उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, जहां 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) चल रहा है। चुनाव आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, 'वे मतदाताओं को अपने वर्तमान निवास स्थान पर एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना फॉर्म) भरकर इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (इआरओ), असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (एइआरओ) या बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के पास जमा करने की अनुमति दें।' चुनाव आयोग ने बताया, 'जो मतदाता कहीं और स्थानांतरित नहीं हुए हैं, वे हस्ताक्षर किया हुआ 'एन्यूमरेशन फॉर्म' जमा कर सकते हैं। इसके साथ उन्हें एक बयान भी देना होगा कि उन्होंने पहले यह फॉर्म क्यों जमा नहीं किया था।'

किश्तवाड़ में शहीद हुए पुलिसकर्मियों के शव डंपर में लाने का आरोप

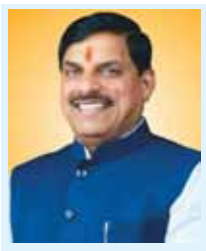
जम्मू-कश्मीर। किश्तवाड़ में आतंकियों की गोली से मारे गए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के शव डंपर में लाने के आरोप लगे हैं। बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के शव ताबूत के बिना डंपर में रखकर उनके गांव लाए गए, जो शहीदों का अपमान है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विधायक शगुन परिहार पुलिस अधिकारियों को शवों को लाने के तरीके पर फटकार लगाती दिख रही हैं।

शुक्रवार को रशपाल सिंह और बॉबी चंद का उनके पैतृक गांव डच्छन के केयार में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों बुधवार से लापता थे। गुरुवार सुबह उनके शव देहरना जंगल से करीब 2 किलोमीटर दूर मिले थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनकी सर्विस राइफल भी गायब थी। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि शहीद हुए दो स्क्ह के पार्थिव शरीर बिना ताबूत के डंपर में घर पहुंचाए गए। पार्टी ने कहा कि ग्रामीणों को खुद स्ट्रेचर और सफेद कपड़े का इंतजाम करना पड़ा। मोदी सरकार हमारे शहीदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रही है। 11 नवंबर की दोपहर मरवाह के देहरना जंगल में गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी थीं। इसके बाद से ही दोनों स्क्ह लापता थे। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों के शव गोलियों से छलनी मिले। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी।

जनजातीय गौरव पर विशेष

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं

15 नवंबर का दिन न केवल जनजातीय समाज के लिए, बल्कि समूचे भारत वर्ष के लिए आत्म-स्वाभिमान, अदम्य साहस और देशभक्ति के स्मरण का दिवस है। आज धरती आबा, उलगुलान के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती है। इस पावन अवसर पर मैं मध्यप्रदेश की समस्त 8 करोड़ जनता की ओर से जनजातीय नायकों के चरणों में नमन करता हूँ।



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मप्र

भगवान बिरसा मुंडा मात्र एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने बेहद कम आयु में अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जो 'उलगुलान' (क्रांति) छेड़ा, उसने देश की आज़ादी की नींव को मजबूत करने का काम किया। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।

मध्यप्रदेश जनजातीय संस्कृति और गौरव का केंद्र रहा है, जो देश का सबसे बड़ा जनजातीय आबादी वाला राज्य है। हमारे लिए भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती मनाना केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन को बेहतर बनाने का एक राष्ट्रीय संकल्प है।

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की थी। मध्यप्रदेश को यह सौभाग्य मिला था कि इस ऐतिहासिक निर्णय का साक्षी और ध्वजवाहक हमारा राज्य बना।हमारी सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक हमारा जनजातीय समाज सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक मध्यप्रदेश के पूर्ण विकास की कल्पना अधूरी है। इसी दिशा में राज्य सरकार लगातार कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है।

हमने राज्य में पेसा कानून लागू कर जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन से जुड़े निर्णयों में आत्मनिर्भर और अधिकार संपन्न बनाया है। अब गाँव की ग्राम सभाओं को ही अपने संसाधन प्रबंधित करने का पूरा अधिकार है।जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए विशेष अभियान चलाकर लाखों जनजातीय भाई-बहनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाकर उपचारित भी किया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना जैसी पहलों के माध्यम से जनजातीय युवाओं को अपने पैर पर खड़े होने के लिए आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। टंट्या भील, भीमा नायक, राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह और रानी दुर्गावती जैसी महान हस्तियों के बलिदान और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए उनके स्मारकों और संग्रहालयों का निर्माण करसांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण किया है।भगवान बिरसा मुंडा जी ने जिस समृद्ध, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज का सपना देखा था, उसे साकार करना ही हमारी सरकार का परम उद्देश्य है।

आइए, इस जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जनजातीय समाज के गौरव, उनकी सांस्कृतिक विरासत और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

जय हिंद! जय मध्यप्रदेश! जय जोहार!

न्यूज विंडो

युवक की पुलिस हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

रोहतक (हरियाणा)। करनाल में सीआईए-2 की हिरासत में जितेंद्र कुमार उर्फ जैकी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में परिजनों का विरोध जारी है। मौत की सूचना मिलने के 24 घंटे बाद भी रविवार सुबह तक परिजनों ने शव नहीं उठाया है। वे पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े हुए हैं। चार डॉक्टरों के पैनल ने जितेंद्र का पोस्टमार्टम कर दिया है, जबकि मौत के कारणों की पुष्टि के लिए विसरा सुरक्षित रखा गया है। मामले की जांच मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशबू गोयल कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, जिस पुलिसकर्मी को गोली लगी थी, उस घटना की भी मजिस्ट्रेट जांच की जा रही है। परिजनों का कहना है कि जब तक जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता, तब तक वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

पुलिस में आरक्षक की नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी

रायपुर। आरक्षक जीडी पद पर भर्ती कराने का झांसा देकर एक 25 वर्षीय युवती से 2,22,000 रुपये ठगने का मामला सामने आया है। शारीरिक परीक्षा में ऊंचाई कम होने के कारण युवती चयन प्रक्रिया से बाहर हो गई। इसके बाद, जब पीड़िता ने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी ने फोन कॉल उठाना बंद कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कांकेर निवासी आरोपी लेखराम सिन्हा के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम बोरी की निवासी लोकेश्वरी पवार (25) वर्ष 2023-24 के दौरान रायपुर में रहकर पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी और वहां काम भी करती थी। उस दौरान सहकर्मी रीना साहू ने उसे लेखराम सिन्हा का मोबाइल नंबर दिया। रीना ने बताया था कि लेखराम पुलिस विभाग में कार्यरत है और पुलिस मुख्यालय में अच्छी पहचान है। लोकेश्वरी की फोन पर बातचीत शुरू हुई।

नेतन्याहू ने आइजनकोट को साथ मिलकर सरकार बनाने को कहा: पूर्व सेना प्रमुख ने प्रस्ताव ठुकराया

तेल अवीव। एजेंसी

इजराइल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गादी आइजनकोट से मिलकर सरकार बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सभी बड़ी पार्टियों को एक साथ आना चाहिए। हालांकि, आइजनकोट ने कुछ ही मिनट बाद नेतन्याहू का प्रस्ताव ठुकरा दिया। उन्होंने कहा - नेतन्याहू जानते हैं कि वे चुनाव हार चुके हैं। वे ऐसे समय बातचीत की अपील कर रहे हैं, जब बातचीत पहले से चल रही है। उनकी ये चालें मुझ पर काम नहीं करेंगी। आइजनकोट इजराइल के पूर्व सेना प्रमुख हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने पिछले हफ्ते उन्हें नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके लिए उन्हें 28 दिन का समय मिला है। जरूरत पड़ने पर 14 दिन और मिल सकते हैं। नेतन्याहू ने शनिवार को वीडियो संदेश जारी कर कहा कि ईरान एक बार फिर अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान इजराइल को खत्म करना चाहता है।

खैर की अवैध कटाई रोकने गई टीम पर लकड़ी तस्करों ने चलाई गोली

श्योपुर। एजेंसी

जंगल में खैर के पेड़ों की अवैध कटाई रोकने पहुंची वन विभाग की टीम पर लकड़ी तस्करों ने हमला कर दिया। आरोप है कि कटाई में जुटे लोगों ने वनकर्मियों को घेरने का प्रयास करते ही हमलावरों ने देशी कट्टों से दो गोलियां दाग दीं और जान से मारने की धमकी दी। अचानक हुई फायरिंग से वन अमले में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, टीम ने मौके से पेड़ों की कटाई में इस्तेमाल होने वाली दो मशीन और एक बैटरी जब्त कर ली। मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ वन अपराध दर्ज कर पुलिस में एफआईआर की कार्रवाई के लिए आवेदन दिया गया है।

वन विभाग के अनुसार, घटना सामान्य वन मंडल के वन परिक्षेत्र विजयपुर पूर्व की नितनवास बीट की है। यहां खैर के पेड़ों की अवैध कटाई की सूचना मिलने पर वनकर्मी



तत्काल मौके पर पहुंचे। वहां करीब पांच व्यक्ति दो चेनशा मशीन और बैटरी की मदद से पेड़ों को काटते मिले। इनमें सुगर सिंह पुत्र सोबरन गुर्जर और मातादीन पुत्र सोबरन गुर्जर निवासी ग्राम मरा, थाना पहाड़गढ़, तहसील जौरा, जिला मुरैना की पहचान हुई। वन अमले ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपियों ने कथित तौर पर देशी कट्टों से दो फायर किए और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 375/01, दिनांक 13 नवंबर 2026 दर्ज किया गया है।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई: गैंगस्टर नेटवर्क के पांच गुर्गे गिरफ्तार, हथियार मिले

तरनतारन। एजेंसी

पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने तरनतारन पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन चलाकर संगठित आपराधिक नेटवर्क के पांच प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 अवैध पिस्तौल और 191 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। अफरीदी को डिपोर्ट करने के बाद की कार्रवाईयह कार्रवाई अफरीदी को इथियोपिया से डिपोर्ट किए जाने के बाद की गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी 15 से अधिक आपराधिक मामलों में कथित तौर पर शामिल रहे हैं। इनमें फिरौती के लिए गोलीबारी की घटनाएं भी शामिल हैं। आरोपियों पर विदेश में बैठे हैंडलर्स के इशारे पर सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने का भी आरोप है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, विदेश में बैठे हैंडलर्स इन आरोपियों को पंजाब में गंभीर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने का जिम्मा सौंपते थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर

यूपी शिक्षा मंत्री संदीप सिंह अपने भाई संग बने दूल्हा, बधाई देने पहुंचे सीएम योगी

दूरी भी नहीं मिटा पाई बचपन का प्यार, यूपी के शिक्षा मंत्री की मेघना संग सगाई

लखनऊ। एजेंसी

कहते हैं कि अगर प्यार सच्चा हो, तो वक्त और दूरियां भी उसे कम नहीं कर पातीं। कुछ ऐसी ही खूबसूरत और अटूट प्रेम कहानी है उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और गाजियाबाद की मेघना चौधरी की। स्कूल के दिनों से शुरू हुआ इन दोनों का प्यार अब जल्द ही शादी के पवित्र बंधन में बदलने जा रहा है। अलीगढ़ के दिल्ली पब्लिक स्कूल से शुरू हुआ दोस्ती का यह सफर अब दोनों परिवारों की रजामंदी के साथ विवाह के मंडप तक पहुंच चुका है। शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने गाजियाबाद की मेघना चौधरी से सगाई कर ली है। जिनके साथ उनके भाई सौरभ सिंह भी दूल्हे राजा बने और उन्होंने भी अंतरा त्यागी संग सगाई कर ली, जिन्हें बधाई देने सीएम योगी भी पहुंचे। जहां दोनों दुल्हनों का फ्लोरल लहंगे में लुक खूबसूरत लगा।

दुल्हनों का लुक्स भी रहा आकर्षण का केंद्र



संदीप और उनके भाई सौरभ, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल कल्याण सिंह के पोते हैं और उनके पिता राजवीर सिंह भी सांसद रह चुके हैं। ऐसे में उनके इस शाही सगाई समारोह के खूब चर्चे हो रहे हैं, जिसे न सिर्फ भव्य तरीके से ऑर्गेनाइज किया गया है, बल्कि दुल्हनों के खूबसूरत लुक्स भी आकर्षण का केंद्र रहे।

शिक्षा मंत्री संदीप सिंह की दुल्हन मेघना ने ब्लश पिंक कलर का हैवी एम्ब्रॉयडरी से सजा लहंगा पहना, जो उन्हें एक ड्रीमी और रॉयल लुक दे रहा है। पूरे लहंगे की स्कर्ट और हाफ स्लीव्स ब्लाउज पर सिल्वर और गोल्डन धागों के साथ सेक्विन, मोती और बारीक जरी का हैवी फ्लोरल वर्क किया गया है। छोटे भाई सौरभ की मंगेतर अंतरा पिंक बेस वाले हैवी कढ़ाई से सजे लहंगे में नजर आईं। जिसकी ब्यूटी स्कर्ट पर की गई मल्टी- कलर थ्रेड एम्ब्रॉयडरी, मिरर वर्क और सिल्वर- गोल्डन जरी का काम है, जिसमें नीचे की तरफ खूबसूरत पीकॉक और आर्च पैटर्न बने हुए हैं। वहीं, बॉर्डर पर लाल और गुलाबी रंग की लहरिया पट्टी इसे ट्रेडिशनल टच दे रही है।

डीपीएस अलीगढ़ में हुआ था प्यार

इस प्रेम कहानी की शुरुआत अलीगढ़ के दिल्ली पब्लिक स्कूल से हुई थी. संदीप सिंह स्कूल में मेघना चौधरी से सीनियर थे, जबकि मेघना उनकी जूनियर थीं। स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही दोनों की पहली मुलाकात हुई, जो धीरे-धीरे दोस्ती में बदली। वक्त बीतने के साथ यह दोस्ती गहरे प्यार में तब्दील हो गई। स्कूल के बाद जहां संदीप सिंह ने राजनीति और जनसेवा की राह चुनी, वहीं मेघना चौधरी ने अपनी आगे की पढ़ाई जारी रखी. बाद में मेघना कानून (लॉ) की पढ़ाई करने के लिए विदेश चली गईं। मेघना चौधरी का परिवार मूल रूप से अलीगढ़ के तहसील इगलास के थाना गोंडा क्षेत्र के तारापुर गांव का रहने वाला है। हालांकि, पिछले करीब 15 वर्षों से उनका परिवार गाजियाबाद के लाजपत नगर में रह रहा है। मेघना के पिता अरुण चौधरी गाजियाबाद के एक बड़े कारोबारी हैं और उनका जूतों का व्यवसाय है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524